RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 109 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 13-11-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 स्वच्छ ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता लगभग 260 गीगावाट पर : श्रीपद नाइक

6 हाईवे के किनारे खड़ी गाड़ियों पर सुप्रीम टिप्पणी

7 कुब्रा सैत ने संभाली नारीवाद की कमान

फर्स्ट टेक

सिंधु जल संधि पर कार्यवाही अगले सप्ताह वियना में होगी : पाकिस्तान

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने बुधवार को कहा कि सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के तहत तटस्थ विशेषज्ञ कार्यवाही का अगला चरण अगले सप्ताह वियना में होगा। विश्व बैंक द्वारा मध्यस्थता वाली सिंधु जल संधि 1960 से भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के वितरण और उपयोग को नियंत्रित करती रही है। भारत ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा 26 लोगों, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे, की हत्या के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। पाकिस्तान ने 19 सितंबर को सिंधु जल संधि के प्रावधानों के तहत भारत के खिलाफ पंचाट कार्यवाही शुरू की।

धर्मस्थला मामले की जांच पर लगी अंतरिम रोक हटी

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने दक्षिण कन्नड़ जिले के धर्मस्थल कस्बे में ''कई हत्याओं, बलात्कारों और शव दफनाने'' के आरोपों के संबंध में स्थानीय पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी से संबंधित जांच पर अपनी अंतरिम रोक बुधवार को हटा ली। सामाजिक कार्यकर्ता गिरीश मत्तनवार, महेश शेट्टी थिमारोडी, टी जयंत और विट्ठल गौड़ा द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई के बाद 30 अक्टूबर को अंतरिम रोक लगाई गई थी। चारों ने मामले की प्राथमिकी रद्द करने का अनुरोध किया था, हालांकि, पहले इन सभी लोगों ने प्राथमिकी दर्ज किए जाने का समर्थन किया था। न्यायमूर्ति मोहम्मद नवाज ने रोक हटाते हुए मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सामाजिक कार्यकर्ताओं का कोई उत्पीड़न न हो।

इस्लामाबाद में बम विस्फोट के बाद श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने चिंता जताई

कोलंबो/भाषा। एकदिवसीय शृंखला के लिए पाकिस्तान दौरे पर गए श्रीलंका के कुछ क्रिकेटरों ने इस्लामाबाद में हुए एक घातक बम विस्फोट के बाद सुरक्षा संबंधी चिंताएं व्यक्त की हैं और अपने बोर्ड से दौरा रद्द करने का अनुरोध किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के सूत्रों ने बताया कि रावलपिंडी के इस्लामाबाद के निकट होने के कारण कुछ खिलाड़ियों ने वापस लौटने की इच्छा व्यक्त की है। तीन मैच की एकदिवसीय शृंखला रावलपिंडी में खेली जानी है। विस्फोट में 12 लोग मारे गए थे। हालांकि एसएलसी प्रबंधन से संकेत मिले हैं कि वे चाहते हैं कि दौरा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही हो।

13-11-2025 सूर्यास्त 5:50 बजे | 14-11-2025 सूर्योदय 6:17 बजे

BSE	NSE
84,466.51 (+595.19)	25,875.80 (+180.85)

सोना	चांदी
12,923 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	165,296 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आतंक ऑल आउट

सेना देगी अब आउटपुट,
जितना पब्लिक देगी इनपुट।
आतंकी हैं मच्छर जैसे,
कर दो इनको अब ऑल आउट।
कुछ भी ना वे कर पाएंगे,
चाहे जितना कर लें साउट।
पर जन्मे जिस नापाक जगह,
कब होगी स्वच्छ यही डाउट।

सरकार ने लाल किले के निकट हुए कार विस्फोट को 'आतंकवादी घटना' करार दिया

जांच के दौरान यह बात सामने आई कि विस्फोटकों से लदी कार चला रहे डॉ. उमर नबी ने छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी के मौके पर यहां हमला करने की योजना बनाई थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के नजदीक हुए कार में हुए विस्फोट को बुधवार को एक ''आतंकवादी घटना'' करार दिया, जबकि जांच के दौरान यह बात सामने आई कि विस्फोटकों से लदी कार चला रहे डॉ. उमर नबी ने छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी के मौके पर यहां हमला करने की योजना बनाई थी।

सोमवार शाम को हुए विस्फोट की जांच में शामिल अधिकारियों ने कहा कि उमर और एक अन्य प्रमुख संदिग्ध डॉ. मुजम्मिल गनई ने 2021 में तुर्किये की अपनी यात्रा के दौरान प्रतिबंधित आतंकवादी समूह जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के 'ओवरग्राउंड वर्कर' से मुलाकात की थी। इस विस्फोट में 12 लोग मारे गए थे और कई घायल हुए थे। उन्होंने यह भी कहा कि मुजम्मिल के मोबाइल फोन के डेटा के विश्लेषण से पता चला है कि उसने इस साल जनवरी में लाल किला क्षेत्र की कई बार टोह ली थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले के निकट हुए विस्फोट में घायल लोगों से एलएनजेपी अस्पताल में मुलाकात की और कहा अपराधियों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा।

प्रधानमंत्री लगभग 25 मिनट तक अस्पताल में रहे।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''दिल्ली में बम विस्फोट में घायल हुए लोगों से मिलने एलएनजेपी अस्पताल गया। सभी के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। इस साजिश के पीछे जो भी लोग हैं, उन्हें न्याय के कठघरे में लाया जाएगा।''

भूटान से लौटने के बाद प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता दोहरायी गई। मंत्रिमंडल में पारित प्रस्ताव में कहा गया, ''मंत्रिमंडल निर्देश देता है कि घटना की जांच अत्यंत तत्परता और पेशेवर तरीके से की जाए ताकि अपराधियों, उनके सहयोगियों और उनके प्रायोजकों की पहचान की जा सके और उन्हें बिना किसी देरी के न्याय के शिकंजे में लाया जा सके। स्थिति पर सरकार के उच्चतम स्तर पर कड़ी नजर रखी जा रही है।''

मंत्रिमंडल ने आतंकवाद की इस घटना में मारे गए निर्दोष लोगों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा। उसने आतंकवाद की घटना में मारे गए लोगों के प्रति गहरा दुख व्यक्त करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया और कहा कि स्थिति पर सरकार के उच्चतम स्तर पर ''कड़ी नजर'' रखी जा रही है।

जांच के लिए एनआईए की विशेष टीम का गठन, विस्फोट के तार पाकिस्तान से जुड़े

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा दिल्ली कार विस्फोट जांच की जिम्मेदारी संभालने के एक दिन बाद बुधवार को एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम में 10 अधिकारी शामिल हैं जिसका नेतृत्व अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) विजय साखरे करेंगे। इसका उद्देश्य जांच का दायरा बढ़ाना है। शीर्ष सूत्रों ने वार्ता से कहा कि दिल्ली कार विस्फोट के तार पाकिस्तान से जुड़े होने के सबूत मिले हैं। डॉ. मुजम्मिल और अन्य संदिग्धों से पूछताछ में प्राप्त जानकारी के आधार पर विस्फोट के साथ पाकिस्तान का संबंध जोड़ा गया है। सूत्र ने कहा, इन संपर्कों का संबंध मौदुद्दीन औरंगज़ेब आलम से हो सकता है जिसे अम्मार अल्वी के नाम से भी जाना जाता है।

विरोध प्रदर्शन

कर्नाटक राज्य रैयत संघ और हसीरुसेने के सदस्यों ने बुधवार को चिक्कबल्लापुर में ज्वार की कीमतों में गिरावट और किसानों की ज़मीन अधिग्रहण के ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शन किया।

बेहतर भारत और विश्व के लिए अनुसंधान ही एकमात्र रास्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग के दिग्गज एन. आर. नारायणमूर्ति ने अनुसंधान पर भारत के राष्ट्रीय एवं संस्थागत स्तर पर ध्यान देने की आवश्यकता पर बुधवार को जोर देते हुए कहा कि यह देश व दुनिया को बेहतर स्थान बनाने का एकमात्र रास्ता है। उन्होंने भारत से एक आकांक्षापूर्ण, योग्यता आधारित एवं प्रतिस्पर्धी अनुसंधान परिवेश बनाने का आह्वान किया जो वैज्ञानिकों, इंजीनियर, अर्थशास्त्रियों, गणितज्ञों

और मानवतावादियों को लाभकारी माहौल मुहैया कराए।

'इन्फोसिस पुरस्कार 2025' की यहां घोषणा के अवसर पर मूर्ति ने रोमन सम्राट मार्कस ऑरेलियस को उद्धृत किया और कहा कि अनुसंधान ''समझ के विस्तार'' का प्रतिनिधित्व करता है, जो प्रकृति के रहस्यों को उजागर करने, दूसरों ने जो अभी तक नहीं देखा है उसे देखने एवं मानव जाति के सामने आने वाली समस्याओं के संभवतः असंभव समाधान खोजने की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा, '' आज हमारे देश के लिए यह आवश्यक है कि हम एक बेहतर भारत और एक बेहतर विश्व के लिए अनुसंधान पर राष्ट्रीय एवं संस्थागत स्तर पर अधिक ध्यान दें।''

जवाहरलाल नेहरू से लेकर रिचर्ड फेनमैन, एलन ट्यूरिंग, थॉमस अल्वा एडिसन और जेनिफर डूडना के विचारों का हवाला देते हुए मूर्ति ने कहा कि जिज्ञासा, कल्पना और दृढ़ता वैज्ञानिक खोज का आधार हैं।

बोत्सवाना की 'नेशनल असेंबली' को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा

भारत, बोत्सवाना के संबंधों में प्रगाढ़ता की काफी संभावना है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गबोरोन (बोत्सवाना)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि भारत विभिन्न क्षेत्रों में बोत्सवाना के साथ अपनी साझेदारी को और गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल नवाचार, फार्मास्यूटिकल्स और खनन क्षेत्र में सहयोग के अवसरों पर प्रकाश डाला।

दुनिया के सबसे बड़े हीरा उत्पादक देशों में से एक बोत्सवाना की 'नेशनल असेंबली' के सांसदों को संबोधित करते हुए, मुर्मू ने भारत के अपने विकासात्मक अनुभव साझा करने और ऐसी साझेदारी बनाने की इच्छा पर जोर दिया, जो दोनों देशों के लिए लाभकारी हो।

'नेशनल असेंबली' में 61 निर्वाचित सदस्यों के अलावा विशेष रूप से निर्वाचित छह सांसद हैं।

मुर्मू ने कहा, ''भारत विभिन्न क्षेत्रों में बोत्सवाना के साथ अपनी साझेदारी को और गहरा करने तथा अपने विकास अनुभव को बोत्सवाना के साथ साझा करने के लिए प्रतिबद्ध है। आइए हम एक ऐसी साझेदारी बनाने के लिए मिलकर काम करें जो हमारे दोनों देशों को समृद्ध बनाए और विश्व की भलाई में योगदान दे।''

भारतीय प्रतिष्ठानों के बोत्सवाना के हीरा, ऊर्जा और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में पहले से ही ''सक्रिय''होने का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल नवाचार, फार्मास्यूटिकल्स और खनन क्षेत्र में सहयोग की ''संभावना'' है। उन्होंने दोनों देशों के व्यापारिक समुदायों को सहयोग करने और अपनी आर्थिक साझेदारी की ''पूरी क्षमता का दोहन'' करने का आह्वान किया।

मुर्मू मंगलवार को तीन-दिवसीय राजकीय यात्रा पर बोत्सवाना पहुंचीं।

अमेरिका को दुनियाभर से प्रतिभाएं लानी होंगी : ट्रंप

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एच-1बी वीजा कार्यक्रम का बचाव करते हुए नजर आए और उन्होंने कहा कि अमेरिका को दुनिया भर से प्रतिभाओं को लाना होगा क्योंकि देश में ''कुछ खास प्रतिभाएं'' नहीं हैं। ट्रंप ने फॉक्स न्यूज पर लॉरा इंग्राहम के साथ साक्षात्कार में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही। उनसे पूछा गया था कि क्या एच-1बी वीजा का मुद्दा उनके प्रशासन के लिए एक बड़ी प्राथमिकता नहीं होगा। साक्षात्कारकर्ता ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति अमेरिकी कामगारों का वेतन बढ़ाना चाहता है, तो देश में लाखों विदेशी कामगारों को नहीं आने दिया जा सकता। जवाब में ट्रंप ने कहा, ''मैं सहमत हूं, लेकिन आपको प्रतिभाओं को भी लाना होगा।'' जब इंग्राहम ने कहा कि ''हमारे पास बहुत प्रतिभाएं हैं'', तो ट्रंप ने कहा, ''नहीं, आपके पास नहीं हैं। आपके पास कुछ खास प्रतिभाएं नहीं हैं। और लोगों को सीखना होगा।''

कनाडा के साथ द्विपक्षीय साझेदारी और प्रगाढ़ होने की उम्मीद : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ओटावा/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और कनाडा के अपने समकक्ष अनीता आनंद के साथ बुधवार को व्यापार, ऊर्जा, सुरक्षा और लोगों के बीच संबंधों के क्षेत्रों में भारत-कनाडा सहयोग की समीक्षा की।

यह समीक्षा बैठक दो साल पहले एक राजनयिक विवाद के बाद रिश्तों में आई खटास के बाद संबंधों को फिर से प्रगाढ़ करने की कोशिशों के तहत हुई।

कनाडा के नियाग्रा में एक बैठक में दोनों विदेश मंत्रियों ने 'नई रूपरेखा-2025' के कार्यान्वयन पर भी विचार-विमर्श किया, जिसे पिछले महीने आनंद की भारत यात्रा के दौरान अंतिम रूप दिया गया था।

जयशंकर दुनिया के औद्योगिक लोकतंत्रों के संगठन जी-7 के साझेदार देशों के साथ एक संवाद सत्र में हिस्सा लेने के लिए नियाग्रा में हैं। विदेश मंत्री ने जर्मनी, फ्रांस, ब्राजील और ब्रिटेन के अपने समकक्षों के साथ भी अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। उन्होंने कनाडा की विदेश मंत्री से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''नयी रूपरेखा-2025 के कार्यान्वयन में प्रगति की सराहना की। हमारी द्विपक्षीय साझेदारी और अधिक मजबूत होने की उम्मीद है।''

आनंद ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दोनों नेताओं ने ''व्यापार, ऊर्जा, सुरक्षा और लोगों के बीच संबंधों पर सहयोग'' के बारे में चर्चा की।

कनाडा ने जी-7 बैठक के लिए जिन साझेदार देशों को आमंत्रित किया है, उनमें ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, भारत, सऊदी अरब, मेक्सिको, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और यूक्रेन शामिल हैं।

आतंकवाद हमारी आत्माओं को कभी नहीं हिला सकता : नेतन्याहू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/भाषा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दिल्ली विस्फोट की कड़ी निंदा करते हुए बुधवार को कहा कि ''आतंक हमारे शहरों पर वार कर सकता है लेकिन वह हमारी आत्माओं को कभी नहीं हिला सकता।''

सोमवार शाम लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर धीमी गति से जा रही कार में जोरदार विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

नेतन्याहू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में पोस्ट

किया, हमारे प्रिय मित्र नरेन्द्र मोदी और भारत के वीर नागरिकों के नाम: सारा और मैं, तथा समस्त इजराइल, पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। इस दुःख की घड़ी में इजराइल आपके साथ मजबूती से खड़ा है।'' उन्होंने कहा कि भारत और इजराइल प्राचीन सभ्यताएं हैं जो शाश्वत सत्य पर आधारित हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आतंक हमारे शहरों पर वार कर सकता है, लेकिन वह हमारी आत्माओं को कभी नहीं हिला सकता। उन्होंने कहा, हमारे राष्ट्रों का प्रकाश हमारे शत्रुओं के अंधकार को परास्त कर देगा।

एक दिन पहले, इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने भी दिल्ली विस्फोट की निंदा करते हुए कहा था, इजराइल आतंकवाद के विरुद्ध भारत की लड़ाई में उसके साथ खड़ा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, मैं भारत के लोगों और विशेष रूप से दिल्ली के मध्य में हुए विस्फोट में मारे गए निर्दोष पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी और इजराइल की गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

भारत ने भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना के प्रति अटूट समर्थन की पुष्टि की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

थिम्पू/भाषा। भारत ने बुधवार को भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना के प्रति अपने अटूट समर्थन की पुष्टि की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भूटान के पूर्व नरेश जिग्मे सिंग्ये वांगचुक के साथ वार्ता की और वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव के तहत आयोजित कालचक्र दीक्षा समारोह में भूटानी नेतृत्व के साथ शामिल हुए।

बैठक के बाद मोदी ने भारत-भूटान संबंधों को और मजबूत करने में सिंग्ये के योगदान की सराहना की और कहा कि चर्चा ऊर्जा, व्यापार, कनेक्टिविटी, प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग पर केंद्रित रही।

मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा, ऊर्जा, व्यापार, तकनीक और कनेक्टिविटी में सहयोग पर चर्चा हुई। गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी परियोजना में प्रगति की सराहना की, जो हमारी एक्ट ईस्ट नीति के अनुरूप है।

सुबह मोदी ने वैश्विक शांति प्रार्थना महोत्सव में 'कालचक्र व्हील ऑफ टाइम एम्पॉवरमेंट' का उद्घाटन किया, जिसमें भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और सिंग्ये सहित शीर्ष भूटानी नेतृत्व ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''यह एक महत्वपूर्ण अनुष्ठान है, जिसका बौद्ध समुदाय के लिए विश्वभर में अत्यंत सांस्कृतिक महत्व है। 'कालचक्र एम्पॉवरमेंट' वैश्विक शांति प्रार्थना उत्सव का हिस्सा है, जो भूटान में बौद्ध श्रद्धालुओं और विद्वानों को एक साथ लाया है।''

नई दिल्ली रवाना होने से पहले मोदी ने कहा कि ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में उनकी यात्रा के परिणाम हमारी द्विपक्षीय साझेदारी को गति प्रदान करेंगे।

कंपनियां नियुक्ति में हुनरमंद कर्मचारियों को दे रही तरजीह : रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। नियोक्ता अब हुनर को प्राथमिकता दे रहे हैं। लगभग 59 प्रतिशत कंपनियां 'सबसे पहले कौशल' दृष्टिकोण अपना रही हैं जो पिछले साल की तुलना में 26 प्रतिशत अधिक है। पारंपरिक 'रिज्यूमे' आधारित भर्ती प्रक्रिया से हटते हुए अब अधिक कंपनियां 'स्किल-फर्स्ट' यानी नियुक्ति में हुनर को प्राथमिकता दे रही हैं।

कृत्रिम मेधा-समर्थित कौशल आकलन मंच 'इक्रिप' की 'स्किल-फर्स्ट हायरिंग' रिपोर्ट के अनुसार 59 प्रतिशत कंपनियां कौशल-आधारित भर्ती दृष्टिकोण अपना रही हैं। यह पिछले साल की तुलना में 26 प्रतिशत और 2022 से 78 प्रतिशत अधिक है।

रिपोर्ट में कहा गया कि कृत्रिम मेधा (एआई) उपकरणों की मदद से वास्तविक कौशल का बड़े पैमाने पर मूल्यांकन आसान हो गया है जिससे पारंपरिक 'रिज्यूमे' आधारित भर्ती प्रक्रिया की जगह कौशल-आधारित मूल्यांकन ने ले ली है।

इक्रिप के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी जयंत नीलकंठ ने कहा, '' कौशल-आधारित भर्ती की ओर यह बदलाव इस बात का संकेत है कि संगठन अब प्रतिभा की पहचान और उसे विकसित करने के नए तरीके अपना रहे हैं। कृत्रिम मेधा और वास्तविक कौशल प्रमाणीकरण के संयोजन से कंपनियां डिग्री या प्रमाणपत्र आधारित भर्ती से आगे बढ़कर योग्यता-आधारित भर्ती की ओर बढ़ रही हैं। इससे तेजी से भर्ती, कर्मचारियों को बनाए रखने की बेहतर स्थिति और अधिक निष्पक्ष दल निर्माण संभव हो पा रहा है।''

रिपोर्ट के अनुसार, इसके निष्कर्ष 1,700 से अधिक भर्तीकर्ताओं एवं नियोक्ताओं के जवाबों और 600 संगठनों के 2,50,000 उम्मीदवारों के मूल्यांकन आंकड़ों पर आधारित हैं।

पारंपरिक बीजों के संरक्षण के साथ नई किस्मों को बढ़ावा देने की जरूरत : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

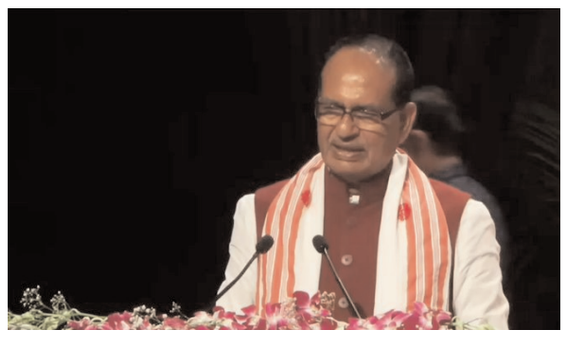

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को पारंपरिक बीजों के संरक्षण और नई उच्च उपज देने वाली किस्मों को बढ़ावा देने के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

एक सरकारी बयान के अनुसार, मंत्री ने पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण (पीपीवी और एफआरए) अधिनियम, 2001 की रजत जयंती और पीपीवी और एफआरए के 21वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित 'पादप जीनोम रक्षक पुरस्कार समारोह' में भाग लिया।

चौहान ने पिछले दो दशक में प्राधिकरण की उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा, ''कई देशी फसल किस्में पोषण और पारिस्थितिक संतुलन के लिए महत्वपूर्ण हैं।'' मंत्री ने कहा कि कई पारंपरिक किस्में विलुप्त होने के कगार पर थीं, और किसानों के समर्पण के कारण ही इन बीजों को संरक्षित किया जा सका है।

पीपीवी और एफआरए अधिनियम के तहत, सरकार बीज किस्मों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए 15 लाख रुपए तक की वित्तीय प्रोत्साहन राशि प्रदान करती है।

चौहान ने कहा, ''बीज किसान की सबसे बड़ी पूंजी है। यह हमारा मौलिक अधिकार है। जहां नई और उच्च उपज देने वाली किस्मों को बढ़ावा देना आवश्यक है, वहीं पारंपरिक बीजों का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। दोनों के बीच संतुलन होना चाहिए।'' चौहान ने कहा कि विभिन्न अंशधारकों से प्राप्त नए सुझावों पर विचार किया जाएगा और जहां भी आवश्यक होगा, पीपीवी और एफआरए अधिनियम के भविष्य के संशोधनों में उन्हें शामिल किया जाएगा। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि किसानों के बीच पीपीवी और एफआरए अधिनियम के बारे में जागरूकता सीमित है।

उन्होंने कहा, ''आज भी, कई किसान इस अधिनियम के लाभ से अनभिज्ञ हैं। पंजीकरण में प्रक्रियात्मक जटिलताएं हैं जिन्हें सरल बनाया जाना चाहिए। हमें पारदर्शिता बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता है कि वास्तविक लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचे।'' चौहान ने देशी किस्मों के ज्ञान को संरक्षित करने के लिए एक मजबूत वैज्ञानिक डेटाबेस बनाने पर ज़ोर दिया। उन्होंने बीज संरक्षण और जैव विविधता में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए देश भर के चुनिंदा किसान पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया।

सोना 2,000 रुपए बढ़कर 1,27,900 रुपए प्रति 10 ग्राम पर, चांदी में 5,540 रुपए का उछाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मजबूत वैश्विक रुख के बीच बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने का भाव 2,000 रुपए बढ़कर 1,27,900 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ यह जानकारी दी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,000 रुपए बढ़कर 1,27,300 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई, जबकि सोमवार को इसका का भाव 1,25,300 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

पिछले दो सत्रों में सोने की कीमत में 3,300 रुपए प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी हुई है। स्थानीय सर्राफा बाजार में सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,300 रुपए बढ़कर 1,25,900 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए विस्फोट के बाद मंगलवार को सर्राफा बाजार बंद रहे।

एलकेपी सिक्योरिटीज के उपाध्यक्ष और अनुसंधान विश्लेषक (जिंस और मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की कीमतों के लगभग 4,100 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर स्थिर रहने के कारण सोने में एक और सत्र के लिए सकारात्मक कारोबार हुआ।'' उन्होंने कहा, ''अमेरिकी सरकार के 'शटडाउन' के खत्म होने की संभावना की उम्मीदों से निवेशकों की कारोबारी धारणा को मजबूती मिल रही है, क्योंकि इससे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े जारी हो सकेंगे, जो दिसंबर की बैठक में फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों के अनुमान के लिए अहम हैं।''

उद्धव ने अनिच्छा से किसानों से मुलाकात की, उन्हें कोई मदद नहीं दी : शिंदे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को आरोप लगाया कि शिवसेना (उबाठा) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने मराठवाड़ा क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित किसानों से बेमन से मुलाकात की और उन्हें कोई मदद नहीं दी। परभणी में एक रैली को संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे जब सत्ता में थे तब भी आम नागरिकों को बेहतर लाभ एवं सेवाएं मुहैया कराने में विफल रहे थे।

शिंदे ने कहा कि उनके सक्रिय होने के बाद से उनके (उद्धव) जैसे नेताओं ने दौरे शुरू कर दिए हैं। उन्होंने कहा,'' अगर आपके पास देने के लिए कुछ नहीं है, तो आप किसानों से मिलने क्यों गए? आप अपने साथ कम से कम बिस्कुट के कुछ पैकेट तो ले ही जा सकते थे। एक सच्चा नेता समस्याओं के समय लोगों के साथ खड़ा होता है।'' उन्होंने ठाकरे के पिछले सप्ताह मराठवाड़ा क्षेत्र के दौरे का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने संकटग्रस्त किसानों से मुलाकात की थी।

शुष्क मराठवाड़ा क्षेत्र बरसात में लंबे समय तक बारिश से प्रभावित रहा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में फसलें नष्ट हो गईं और घरों को भी व्यापक क्षति पहुंची। शिंदे ने अपने नेतृत्व वाली शिवसेना द्वारा किसानों को दी गई सहायता को याद किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''हम प्रभावित किसानों के दरवाजे पर गए। उद्धव जब मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने कभी आम लोगों से मुलाकात नहीं की और अब वह सरकार को बदनाम कर रहे हैं। जब वह सत्ता में थे तो उन्होंने किसानों को कोई सहायता नहीं दी।'' शिंदे ने कहा कि महायुति सरकार किसानों को ऋण माफी सहित राहत प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और उन्होंने राज्य सरकार द्वारा घोषित 32,000 करोड़ रुपए के राहत पैकेज का उल्लेख किया। उन्होंने स्थानीय निकायों के आगामी चुनावों के दौरान महायुति सहयोगियों के खिलाफ 'वोटबंदी' (मतदान पर प्रतिबंध) के ठाकरे के आह्वान को राजनीतिक दिखावा करार देते हुए खारिज कर दिया।

रॉ प्रमुख पराग जैन को सुरक्षा सचिव का अतिरिक्त प्रभार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खुफिया एजेंसी 'रिसर्च एंड एनालिसिस विंग' (रॉ) के प्रमुख पराग जैन को बुधवार को कैबिनेट सचिवालय में सचिव (सुरक्षा) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पंजाब कैडर के 1989 बैच के अधिकारी जैन ने एक जुलाई को दो वर्ष के कार्यकाल के लिए देश की बाह्य खुफिया एजेंसी का कार्यभार संभाला था।

नियुक्ति संबंधी कैबिनेट समिति द्वारा जारी आदेश में कहा गया, सक्षम प्राधिकार ने कैबिनेट सचिवालय के सचिव (सुरक्षा) का अतिरिक्त प्रभार आईपीएस अधिकारी पराग जैन (पंजाब कैडर, 1989 बैच) को सौंपने की मंजूरी दी है। आदेश में यह भी कहा गया कि पराग जैन को यह अतिरिक्त जिम्मेदारी तुरंत प्रभाव से तब तक के लिए दी गई है, जब तक नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती या अगला आदेश जारी नहीं किया जाता।

जैन को 'ऑपरेशन सिंदूर' की रणनीतिक योजना बनाने वाले प्रमुख अधिकारियों में से एक माना जाता है। इस अभियान के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया था।

खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर में घटकर कई साल के निचले स्तर 0.25% पर

नई दिल्ली/भाषा। खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर में घटकर कई साल के निचले स्तर 0.25 प्रतिशत पर आ गई है। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती और सब्जियों एवं फलों की कीमतों में नरमी के कारण खुदरा मुद्रास्फीति में यह गिरावट आई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर में 1.44 प्रतिशत और अक्टूबर, 2024 में 6.21 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में खाद्य मुद्रास्फीति घटकर शून्य से नीचे 5.02 प्रतिशत पर आ गई। एनएसओ ने कहा कि अक्टूबर, 2025 के दौरान कुल मुद्रास्फीति और खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट मुख्य रूप से जीएसटी दर में कटौती, अनुकूल आधार प्रभाव एवं तेल व वसा, सब्जियों, फलों, अंडे, जूते, अनाज, परिवहन व संचार की महंगाई दर में नरमी के कारण हुई।

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों को हटाने के प्रावधान वाले विधेयकों संबंधी समिति गठित, अपराजिता अध्यक्ष

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को गंभीर आरोपों में लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रहने की स्थिति में पद से हटाने के प्रावधान वाले तीन विधेयकों पर विचार के लिए बुधवार को संयुक्त समिति का गठन कर दिया गया, जिसकी अध्यक्षता भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी करेंगी। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी बुलेटिन में कहा गया है कि 31 सदस्यीय संयुक्त समिति का गठन किया गया है तथा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सारंगी को समिति का प्रमुख नियुक्त किया है। इस समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य शामिल हैं। विपक्ष के चार सांसद इस समिति में शामिल हैं। संयुक्त समिति में लोकसभा के जिन 21 सदस्यों को शामिल किया गया है, उनमें भाजपा से अपराजिता सारंगी, रविशंकर प्रसाद, भर्तृहरि महताब, प्रदन बरुआ, बृजमोहन अग्रवाल, विष्णु दयाल राम, पुरुषोत्तम रुपाला और अनुराग ठाकुर शामिल हैं। राजग के घटक जनता दल (यूनाइटेड) के लोकसभा सदस्य देवेश चंद्र ठाकुर, तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के लावु श्रीकृष्णा, शिवसेना से धैर्यशील माने, जनसेना पार्टी के बालाशौरी वल्लभनेनी, सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा के इंद्र हंग सुब्बा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सुनील तटकरे, जनता दल (सेक्युलर) के मल्लेश बाबू, यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल की ज्योत्सना बासुमातरी और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राजेश वर्मा को भी समिति में शामिल किया गया है। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस समेत कई प्रमुख विपक्ष दलों ने इस समिति में शामिल नहीं होने का फैसला किया था, हालांकि 'इंडिया' गठबंधन की एक घटक राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) ने इस समिति का हिस्सा बनने का निर्णय लिया। राकांपा (एसपी) की लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले को इस समिति में शामिल किया गया है।

एटीएस ने 'आतंकवाद' से जुड़े होने के आरोप में इंजीनियर को गिरफ्तार किया, ठाणे व पुणे में छापे मारे

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने अलकायदा और अन्य प्रतिबंधित संगठनों से कथित संबंधों को लेकर पुणे के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की गिरफ्तारी के बाद ठाणे में एक शिक्षक और पुणे में एक अन्य व्यक्ति के परिसरों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एटीएस ने स्पष्ट किया कि यह छापेमारी सोमवार को दिल्ली में हुए विस्फोट से संबंधित नहीं है लेकिन साथ ही बताया कि मानक प्रक्रिया के तहत एजेंसी इस बात की जांच कर रही है कि क्या राष्ट्रीय राजधानी में हुई इस घटना का महाराष्ट्र से कोई संबंध है। दिल्ली में लालकिले के पास हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई थी। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए इंजीनियर जुबैर हंगरगेकर ने ठाणे जिले के मुंब्रा स्थित शिक्षक के घर का इस्तेमाल एक बैठक के लिए किया था। एटीएस ने हंगरगेकर (37) को 27 अक्टूबर को अलकायदा और भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा जैसे प्रतिबंधित संगठनों से कथित संबंधों तथा कट्टरपंथी गतिविधियों में उसकी संदिग्ध संलिप्तता को लेकर गिरफ्तार किया था।

लाल किला विस्फोटः आरोपियों से जुड़ी लाल कार फरीदाबाद में जब्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। दिल्ली के लाल किला विस्फोट मामले से जुड़ी एक संदिग्ध लाल फोर्ड इकोस्पोर्ट कार का पता लगा लिया गया है और इसे फरीदाबाद जिले के खंदावली में जब्त कर लिया गया है। यह जानकारी पुलिस ने दी। फरीदाबाद पुलिस के एक प्रवक्ता से जब पूछा गया कि क्या इकोस्पोर्ट कार का पता लगा लिया गया है, तो उन्होंने फोन पर इसकी पुष्टि करते हुए कहा, ''हां, यह (कार) खंदावली गांव में मिली है।''

इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने लाल फोर्ड इकोस्पोर्ट कार का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी के सभी पुलिस थानों, चौकियों और सीमा चौकियों पर अलर्ट जारी कर दिया था। यह अलर्ट तब जारी किया गया जब जांच में इस बात का पता चला कि विस्फोट में प्रयुक्त हुंदै आई20 से जुड़े अन्य संदिग्धों के पास एक अन्य लाल रंग की कार भी है। वाहन का पता लगाने के लिए दिल्ली पुलिस की कम से कम पांच टीम तैनात की गई थीं, जबकि पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश और हरियाणा पुलिस को भी कड़ी सतर्कता बरतने और तलाशी में सहायता करने के लिए सतर्क किया गया था। सूत्रों ने बताया कि लाल रंग की फोर्ड इकोस्पोर्ट कार डॉ. उमर उन नबी के नाम पर पंजीकृत है, जो विस्फोट से पहले कथित तौर पर हुंदै आई20 चला रहा था।

कार का पंजीकरण विवरण सभी सीमावर्ती इकाइयों को भेज दिया गया था और तलाशी तेज करने के लिए यह जानकारी उत्तर प्रदेश और हरियाणा पुलिस के साथ भी साझा की गई थी। संदेह है कि उमर ने इस

दिल्ली कार विस्फोट के बाद अमित शाह का गुजरात दौरा रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का बृहस्पतिवार का निर्धारित गुजरात दौरा रद्द कर दिया गया है। भाजपा पदाधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

हालांकि, दौरा रद्द किए जाने का कोई आधिकारिक कारण नहीं बताया गया है, लेकिन माना जा रहा है कि गृह मंत्री राष्ट्रीय राजधानी में हुए कार विस्फोट के बाद की स्थिति से निपटने में व्यस्त हैं।

शाह का 13 नवंबर को साबरमती रिवरफ्रंट इवेंट सेंटर में ''अहमदाबाद फूड फेस्टिवल'' और ''अहमदाबाद इंटरनेशनल बुक फेस्टिवल'' 2025 का उद्घाटन करने का कार्यक्रम था।

भाजपा नेता एवं गांधीनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के प्रवक्ता बिमल जोशी ने बताया कि गृह मंत्री को मेहसाणा के बोरियावी स्थित दूधसागर डेरी में उद्घाटन कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए भी आमंत्रित किया गया था।

जोशी ने कहा, ''शाह का अहमदाबाद और मेहसाणा दौरा रद्द कर दिया गया है। संभावना है कि केंद्रीय मंत्री बोरियावी में होने वाले कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शामिल हो सकते हैं।''सोमवार शाम लाल किला के पास एक कार में हुए जबरदस्त विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई। बाद में, शाह ने घटनास्थल का दौरा किया था। उन्होंने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी और देश के अन्य हिस्सों में सुरक्षा स्थिति की दो बार समीक्षा की।

'रिसिन' जहर आतंकी साजिशः गुजरात एटीएस ने डॉ. सैयद के हैदराबाद स्थित घर से रसायन जब्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

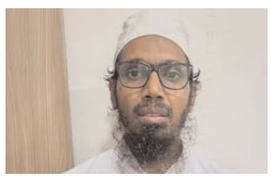

अहमदाबाद/भाषा। घातक रासायनिक जहर 'रिसिन' से जुड़ी आतंकी साजिश मामले की जांच कर रहे गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने गिरफ्तार डॉक्टर अहमद मोहिउद्दीन सैयद के हैदराबाद स्थित घर पर तलाशी ली तथा रसायन और कच्चा माल जब्त किया। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा कि दो अन्य गिरफ्तार आरोपियों के उत्तर प्रदेश स्थित घरों पर भी इसी तरह की तलाशी ली गई। हालांकि, अभी तक कुछ भी आपत्तिजनक नहीं पाया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कार विस्फोट के सिलसिले में डॉ. सैयद और पकड़े गए अन्य चिकित्सकों के बीच अब तक कोई संबंध स्थापित नहीं हुआ है। एटीएस ने डॉ. सैयद समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर एक आतंकी सिंडिकेट का भंडाफोड़ करने का दावा किया। डॉ सैयद कथित तौर पर 'रिसिन' जहर तैयार कर रहा था और उसका आका इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत (आईएसकेपी) से जुड़ा है।

'कार चालक' उमर नबी का मंसूबा 6 दिसंबर को विस्फोट करने का था : अधिकारी

नई दिल्ली/श्रीनगर/भाषा। लाल किला के पास हुए विस्फोट में शामिल कार को घटना के दौरान चला रहा डॉ. उमर नबी का इरादा छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी के आसपास एक शक्तिशाली विस्फोट करने का था। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फरीदाबाद स्थित अंतरराज्यीय जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) आतंकी मॉड्यूल से कथित संबंध रखने के आरोप में गिरफ्तार किए गए आठ लोगों से पूछताछ तथा उनके परिवार, दोस्तों और पड़ोसियों से बातचीत के आधार पर इस षडयंत्र के विवरण के बारे में पता चला।

दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के डॉक्टर नबी (28) के कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में फैले आतंकवादी नेटवर्क का प्रमुख सदस्य होने की बात सामने आई है। वह 10 नवंबर को लाल किला के पास हुए विस्फोट में मारा गया, जिसमें 12 लोगों की जान चली गई।

जम्मू-कश्मीर में दबोचे गए आतंकियों के सहयोगियों से मिले सुराग के बाद 'आतंकी मॉड्यूल' का भंडाफोड़ हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। आतंकी संगठनों- जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद, के पोस्टर के साथ पकड़े गए आतंकियों के दो सहयोगियों की गिरफ्तारी से आतंकवादियों के अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ, जिसके परिणामस्वरूप हरियाणा के फरीदाबाद में हथियारों और 2900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री का जखीरा बरामद हुआ। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

श्रीनगर पुलिस ने दो नवंबर को आतंकियों के दो सहयोगियों को पकड़ लिया और स्थानीय पुलिस की त्वरित जांच से तीन दिनों से भी कम समय में साजिश का पर्दाफाश हो गया। जांच की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि नौगाम पुलिस थाने के थाना प्रभारी (एसएचओ) मीर मसर्रत आलम ने पूछताछ के दौरान पाया कि संदिग्ध एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा थे और उनका हैंडलर (आका) - मौलवी इरफान अहमद - शोपियां जिले का रहने वाला था, लेकिन नौगाम इलाके में एक स्थानीय मस्जिद में इमाम के रूप में काम करके गतिविधियों को अंजाम दे रहा था।

अधिकारियों ने कहा कि नौगाम पुलिस थाने की टीम ने जब इमाम को उठाया तब उसने मॉड्यूल में कई युवा डॉक्टरों की संलिप्तता का खुलासा किया, जो वर्तमान में जम्मू-कश्मीर के बाहर काम कर रहे थे।

अधिकारियों ने कहा, ''एसएचओ ने अपने वरिष्ठों को (इस महत्वपूर्ण) खुलासे के बारे में सूचित किया, जिन्होंने एक टीम उत्तर प्रदेश के सहारनपुर भेजी, जहां जम्मू-कश्मीर पुलिस ने स्थानीय पुलिस की मदद से एक निजी अस्पताल के डॉक्टर अदील अहमद राठेर को पकड़ने में कामयाबी हासिल की।'' उन्होंने बताया कि राठेर को छह नवंबर को गिरफ्तार किया गया और उसे अगले दिन ट्रांजिट रिमांड पर श्रीनगर लाया गया था। राठेर से पूछताछ के दौरान, पुलिस ने उस मेडिकल कॉलेज के एक लॉकर से एक एके राइफल बरामद की, जहां उसने पिछले साल अक्टूबर तक काम किया था।

डॉक्टर ने मॉड्यूल के अन्य सदस्यों द्वारा फरीदाबाद और अन्य स्थानों पर बड़ी मात्रा में विस्फोटक एकत्र किए जाने की जानकारी का खुलासा किया। इसके बाद, पुलिस ने डॉ. मुजम्मिल अहमद गनई को गिरफ्तार कर लिया, जो अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए पुलवामा जिले में अपने पैतृक गांव आया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन
AFFIDAVIT
I, **CHANNAMMA** is legally Mother of Army No. 14689866P, RANK - NAME RAVEESHA HJ, Unit 264 FD WKSP (621 EME BN) C/o. 99 APO Presently residing at Villi, Huligerepura, Po : Malagaranahalli, Teh : Maddur, P/S Maddur, Distt : Mandya State : Karnataka, Pin No. 571428, do hereby declare that both name **CHANNAMGA HS** and **CHANNAMMA** and date of Birth from **16.03.1971** to **01.01.1971** pertain to one and the same person, hereinafter in records knows as only **CHANNAMMA & DOB : 01.01.1971,** vide affidavit dated 11.11.2025, sworn to before Rekha .M, Advocate & Notary, Mandya.

विस्फोट से पहले संदिग्ध मस्जिद में तीन घंटे रुका, पुलिस कर रही जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में लाल किले के पास जिस कार में विस्फोट हुआ उसे चला रहा शख्स रामलीला मैदान के पास एक मस्जिद में गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, कार में हुए विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य जख्मी हो गए।

अधिकारी ने कहा कि अल-फलाह विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर डॉ. उमर नबी के बारे में माना जाता है कि वह सोमवार को वही कार चला रहा था जिसमें विस्फोट हुआ था और उसने अपराह्न करीब 3.19 बजे सुनहरी मस्जिद पार्किंग स्थल पर वाहन खड़ा किया था। उससे पहले, नबी आसफ अली रोड पर, रामलीला मैदान के पास एक मस्जिद गया था, जहां वह कथित तौर पर लगभग तीन घंटे तक रहा और नमाज अदा की।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, वह लाल किले की ओर जाने से पहले लगभग तीन घंटे तक वहां रुका था। हम संदिग्ध आत्मघाती हमले सहित सभी कोणों से मामले की जांच कर रहे हैं। जांचकर्ता यह भी जांच कर रहे हैं कि लाल किले की ओर बढ़ने से पहले उमर ने पार्किंग स्थल पर तीन घंटे तक रुकने के दौरान क्या किया।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने आरएसएस की विचारधारा को विभाजनकारी बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को आरएसएस की आलोचना करते हुए इसकी विचारधारा को विभाजनकारी बताया। उन्होंने कहा कि वह सदैव कुरुबा समुदाय के साथ खड़े रहे हैं, जिससे वह संबंधित हैं, तथा उन्होंने कुरुबा संघ के लिए कागिनेले पीठ की स्थापना के वास्ते कड़ी मेहनत की। सिद्दरामय्या ने कहा, ''मैंने सभी उत्पीड़ित समुदायों की आवाज़ के रूप में कागिनेले पीठ की स्थापना की। मैंने हमेशा सनातनवादी आरएसएस, जाति अनुक्रम और अंधविश्वास का विरोध किया है।''

वह गांधीनगर में कर्नाटक कुरुबा संघ के नए भवन और छात्रावास की आधारशिला रखने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा, ''मेरा स्पष्ट उद्देश्य कुरुबा समुदाय के बच्चों के लिए शिक्षा और छात्रावास की सुविधा सुनिश्चित करना है। आरएसएस की विचारधारा समाज को विभाजित करती है और जाति व्यवस्था को बनाए रखती है। यह एक ऐसी विचारधारा है जो श्रमिक वर्गों का विरोध करती है। यही कारण है कि मैंने शुरू से ही आरएसएस का विरोध किया है। इसी दृढ़ विश्वास के साथ मैंने प्रस्ताव रखा कि कागिनेले पीठ सभी उत्पीड़ित समुदायों का केंद्र बने।''

मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि कुरुबा संघ लंबे समय से 100 साल पुराने ढांचे को ध्वस्त कर नए भवन के निर्माण की मांग कर रहा था। उन्होंने कहा, ''सभी से परामर्श के बाद पुराने ढांचे को ध्वस्त कर दिया गया है और नए भवन की नींव रख दी गई है। गुणवत्ता से समझौता किए बिना निर्माण कार्य 18 महीनों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।''

सिद्दरामय्या के अनुसार, पुराने छात्रावास में पढ़ने वाले कई लोग अधिकारी और यहां तक कि न्यायाधीश भी बन गए हैं। उन्होंने कहा, ''मैं 1983 में विधायक और 1984 में मंत्री बना। परिवहन मंत्री के रूप में, मैंने 1988 में संत और कवि कनकदास की 500वीं जयंती का आयोजन किया था। तब मैंने निर्णय लिया था कि समुदाय के पास एक गुरुपीठ होनी चाहिए। उस समय एसोसिएशन पर तीन करोड़ रुपये का कर्ज था, जिसे हमने चुका दिया। यह इतिहास है और सभी को इसे समझना चाहिए।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि नए भवन में एक छात्रावास भी होगा।

देश में चुनाव के दौरान आतंकवादी हमलों का क्या कारण है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को सवाल किया कि ''देश में चुनाव के दौरान आतंकवादी हमलों का क्या कारण है।'' मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के इस बयान पर विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। सिद्दरामय्या ने बुधवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में सवाल किया, चुनाव के दौरान देश में आतंकवादी हमलों का क्या कारण है?'' उन्होंने इस घटना पर अपने बयान की मीडिया कवरेज भी साझा की।

सिद्दरामय्या की यह टिप्पणी ऐसे समय आयी है जब मंगलवार को बिहार में दूसरे और अंतिम चरण के मतदान पूरा हुआ और मतदान से एक दिन पहले दिल्ली में विस्फोट हुआ था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र ने सिद्दरामय्या और कांग्रेस के अन्य नेताओं के बयानों को गैरजिम्मेदाराना, असंवेदनशील और बहुत निचले स्तर की राजनीति'' करार दिया। मुख्यमंत्री ने चुनाव के दौरान देश में विस्फोटों के बारे में मंगलवार को मैसूरु में पत्रकारों द्वारा पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा था, ''देश में कोई बम विस्फोट नहीं होना चाहिए, निर्दोष लोग मारे गए हैं।'' उन्होंने यह भी कहा था कि यह चुनाव के दौरान हुआ है और इसकी जांच होनी चाहिए।

सिद्दरामय्या ने एक सवाल के जवाब में यह भी कहा था कि विस्फोट की घटना का बिहार चुनाव पर असर पड़ने की संभावना है। उन्होंने कहा था, यह भाजपा के खिलाफ होगा।'' मंत्री प्रियंक खरगे ने मंगलवार को अमित शाह को स्वतंत्र भारत का ''सबसे अक्षम गृह मंत्री'' बताया था और उनके इस्तीफे की मांग की थी तथा इस मामले में खुफिया विफलता का आरोप लगाया था।

विजयेंद्र ने कहा कि विस्फोट की जांच जारी है। उन्होंने कहा कि बयान न केवल निंदनीय हैं, बल्कि चिंताजनक भी हैं। उन्होंने कहा कि यह राज्य के लिए ''एक त्रासदी'' और ''देश के लिए दुर्भाग्य'' है कि कांग्रेस नेता निचले स्तर की ''राजनीति'' में लिप्त हैं, वह भी ऐसे संवेदनशील समय में जब पूरे देश को एकजुट होकर बोलना चाहिए। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में भाजपा नेता ने कहा, ''यह वास्तव में चिंताजनक है कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नागरिकों का हताहत होना, हमारे सैनिकों का बलिदान और राष्ट्रीय सम्मान जैसे मुद्दे कांग्रेस पार्टी के लिए सिर्फ राजनीतिक हथियार हैं।''

विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि ''देश यह नहीं भूला है कि 2019 में हुए भीषण पुलवामा हमले के बाद भी कांग्रेस नेताओं ने ऐसे बयान दिए थे जिनसे पाकिस्तान के दुष्प्रचार को मदद मिली थी।'' उन्होंने आरोप लगाया कि ''मुख्यमंत्री का अब दिया गया बयान भी कांग्रेस की उसी राष्ट्र-विरोधी विरासत को आगे बढ़ाता है।''

उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री तुरंत अपना बयान वापस लें और कहा कि बिहार की जनता की तरह कर्नाटक की जनता भी कांग्रेस पार्टी को करारा जवाब देगी।

कन्नड़ अभिनेता उपेंद्र और उनकी पत्नी का मोबाइल हैक करने वाला साइबर ठग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बिहार से एक साइबर ठग को गिरफ्तार किया है, जिसने कन्नड़ फिल्म अभिनेता उपेंद्र और उनकी पत्नी तथा अभिनेत्री प्रियंका उपेंद्र के मोबाइल फोन हैक कर लिए थे और व्हाट्सऐप पर खुद को उनकी जगह बता कर कई लोगों से धोखाधड़ी की थी। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अभियुक्त विकास कुमार को बिहार के दशरथपुर गांव से गिरफ्तार कर बेंगलूरु लाया गया है। घटना 15 सितम्बर की है, जब प्रियंका उपेंद्र ने ऑनलाइन कुछ सामान मंगाने के बाद अपने फोन पर एक संदिग्ध लिंक प्राप्त किया। इसे वास्तविक मानते हुए उन्होंने लिंक पर क्लिक किया, जिससे हैकरों को उनके व्हाट्सऐप खाते तक दूरस्थ (रिमोट) पहुंच मिल

गई।

इसके बाद उनके संपर्कों को उनके नाम से संदेश भेजे गए, जिनमें तत्काल 55,000 रुपये की सहायता मांगी गई थी। इस धोखाधड़ी से अनजान कुछ परिचितों ने दिए गए खाते में पैसे भेज दिए। पैसे भेजने वालों में दंपती का बेटा भी शामिल है। जब कुछ लोगों ने प्रियंका को फोन कर पुष्टि करनी चाही, तो कॉल काट दी गई। इससे संदेह हुआ। थोड़े ही समय में ठगों ने लगभग 1.5 लाख रुपये हड़प लिए। स्थिति का एहसास होने पर प्रियंका ने अपने पति और प्रबंधक को संपर्क किया, लेकिन तब तक उपेंद्र का फोन भी हैक हो चुका था। इसके बाद दंपती ने सदाशिवनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई।

शहर पुलिस और केंद्रीय साइबर अपराध शाखा ने संयुक्त जांच शुरू की और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आरोपी का पता बिहार के दशरथपुर गांव में चला। जांच में सामने आया कि यह गांव साइबर अपराधों के लिए कुख्यात है, जहां 20 से 25 वर्ष की उम्र के कई युवक ऑनलाइन धोखाधड़ी में शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गांव में लगभग 150 युवक इस तरह के अपराधों में सक्रिय पाए गए। तकनीकी साक्ष्यों और निगरानी के आधार पर पुलिस ने विकास कुमार की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया। उसे पूछताछ के लिए बेंगलूरु लाया गया है और उसके सहयोगियों तथा पूरे नेटवर्क की तलाश जारी है।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हाई ग्राउन्ड पुलिस थाना क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई वहीं उसके साथ एक युवती घायल है। जानकारी के अनुसार दीपक (31) और एक युवती रोहिती (29) अपना काम निपटा कर रात्रि 3 बजे घर जा रहे थे। बुलेट पर सवार दोनों युवक युवती विंडर मैनर के पास बुलेट सड़क पर फिसल जाने से गंभीरवस्था में अस्पताल में भर्ती किए गए।

जहां युवक दीपक की सुबह मौत हो गई वहीं युवती रोहिणी का इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीसीडीए कॉम्प्लेक्स में स्पर्श जन संपर्क कार्यक्रम का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु स्थित पीसीडीए परिसर के बहुउद्देश्यीय हॉल में बुधवार को 'स्पर्श आउटरीच' कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। यह दो दिवसीय कार्यक्रम रक्षा पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों के 'स्पर्श' संबंधी मुद्दों और शिकायतों के समाधान के लिए आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन लेफ्टिनेंट जनरल जेके गेरा, कमांडेंट, एएससी सेंटर और कॉलेज, एवीएसएम, वाईएसएम, जीओसी, कर्नाटक और केरल उप क्षेत्र, मेजर जनरल वीटी मैथ्यू, कमांडेंट, चयन केंद्र, दक्षिण, मेजर जनरल हरीश भूटानी और रक्षा लेखा के प्रधान नियंत्रक (पीसीडीए), बेंगलूरु, आईडीएएस प्रमोद कुमार ने किया।

इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेना के गणमान्य व्यक्ति, आईडीएएस अधिकारी और रक्षा पेंशनभोगी उपस्थित थे। स्पर्श जन संपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य पेंशनभोगियों और अधिकारियों के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है। इस दौरान डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) वितरण अभियान भी चलाया जा रहा है। इस अवसर पर लगभग 250 पेंशनभोगियों के मुद्दों का मौके पर ही समाधान किया गया, जो इस पहल की प्रभावशीलता तथा पूर्व सैनिकों के कल्याण के प्रति रक्षा लेखा विभाग और भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए गणमान्य व्यक्तियों ने पेंशनभोगियों और प्रणाली के बीच की खाई को पाटने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की और कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से सभी लाभार्थियों को पारदर्शिता, आसानी से उपलब्धता और त्वरित सेवा सुनिश्चित करने की दिशा में स्पर्श एक बड़ा कदम है। इस कार्यक्रम में इंटरैक्टिव सत्र, सहायता काउंटर और जागरूकता मॉडल का प्रदर्शन भी शामिल था, ताकि पेंशनभोगियों को स्पर्श प्लेटफॉर्म का अधिक आसानी से उपयोग करने में मदद मिल सके।

सिद्दरामय्या के मुख्यमंत्री बने रहने में क्या बुराई है? : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि वह और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या एकजुटता के साथ काम कर रहे हैं और सवाल किया कि अगर मुख्यमंत्री (सिद्दरामय्या) पद पर बने रहते हैं तो इसमें क्या बुराई है? कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार, मंत्री बी. जेड. जमीर अहमद खान के हालिया बयान पर यह प्रतिक्रिया दे रहे थे। खान ने कहा था कि 2028 में सिद्दरामय्याके पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद शिवकुमार राज्य के मुख्यमंत्री बन सकते हैं।

कांग्रेस सरकार नवंबर में अपने पांच साल के कार्यकाल का आधा पड़ाव पूरा करने जा रही है, और इसके साथ ही राज्य में मुख्यमंत्री बदलने की चर्चा जोरों पर है। कुछ लोग इस महीने को नवंबर क्रांति भी कह रहे हैं। खान के बयान पर पूछे गए सवाल के जवाब में शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, बहुत खुश हूं। इसमें गलत क्या है? मुख्यमंत्री हैं, उन्हें बने रहने दीजिए। हमें कोई दुख नहीं है। हम साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हम सब एकजुट हैं और आगे भी एकजुट रहेंगे।

राज्य की राजनीतिक हलकों, खासकर सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर कुछ समय से मुख्यमंत्री बदलने की चर्चा है। कहा जा रहा है कि सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच ''सत्ता साझा'' करने का एक समझौता हुआ था। सिद्दरामय्या के 15 नवंबर को प्रस्तावित नई दिल्ली

दौरे के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा कि वह भी राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल के एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय राजधानी जाएंगे। उन्होंने कहा, ''मैं भी जा रहा हूं। कपिल सिब्बल मेरे वकील हैं। उन्होंने यहां और दिल्ली दोनों अदालतों में मेरा प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने मुझे बुलाया है और मैं भी जा रहा हूं।''

दिल्ली दौरे के दौरान बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल फेरबदल पर कांग्रेस आलाकमान के साथ कोई चर्चा होगी या नहीं, इस सवाल पर शिवकुमार ने कहा कि यह मुख्यमंत्री की जिम्मेदारी है। यह पूछे जाने पर कि क्या मुख्यमंत्री ने प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते उनसे मंत्रिमंडल विस्तार या फेरबदल के बारे में चर्चा की है, शिवकुमार ने कहा, उन्होंने (मुख्यमंत्री ने) अभी तक मुझसे कोई चर्चा नहीं की है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वह एग्जिट पोल पर भरोसा नहीं करते। उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस और राजद से मिलकर बना महागठबंधन बिहार में सत्ता में आएगा। उन्होंने कहा, सभी एग्जिट पोल सच नहीं हुए हैं। मैं एक व्यावहारिक नेता हूं... मुझे बिहार की जनता पर विश्वास है।

भगदड़ मामले में अदालत ने आरसीबी के विपणन प्रमुख को यात्रा प्रतिबंधों में ढील दी

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ के मामले के आरोपियों में से एक 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु' (आरसीबी) के विपणन प्रमुख निखिल सोसले को बुधवार को राहत देते हुए यात्रा प्रतिबंधों में ढील दी है। सोसले को छह जून को गिरफ्तार किया गया था और छह दिन बाद उन्हें जमानत पर रिहा किया गया था। जमानत की पहले की शर्तों के तहत उन्हें बेंगलूरु छोड़ने की अनुमति नहीं थी। आदेश में संशोधन का अनुरोध करते हुए सोसले ने अदालत का रुख करते हुए दलील दी कि उनके पेशेवर दायित्वों के कारण उन्हें देशभर में यात्रा करनी पड़ती है।

अदालत ने रिकॉर्ड की समीक्षा के बाद पाया कि सोसले के काम में लगातार देश के विभिन्न हिस्सों में यात्रा करना शामिल है, और याचिकाकर्ता ने यह आश्वासन दिया है कि वे हर यात्रा से पहले और बाद में जांच अधिकारी को इसकी जानकारी देंगे। इस आश्वासन को स्वीकार करते हुए, अदालत ने राहत प्रदान करना उचित समझा।

अदालत ने अपने आदेश में कहा, 'यह आवेदन स्वीकार किया जाता है। जमानत की शर्त में ढील दी जाती है, बशर्ते याचिकाकर्ता शहर से बाहर जाने से पहले और लौटने के बाद जांच अधिकारी को सूचित करें।

'राजभाषा लिखित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता' का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय-4) के तत्वावधान में, सदस्य कार्यालयों के लिए 27 अक्टूबर से 17 नवम्बर तक अंतर-कार्यालयीन हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सदस्य कार्यालय सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी), डीआरडीओ द्वारा मंगलवार को केंद्रीय विनिर्माणकारी प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएमटीआई), बेंगलूरु में एक 'राजभाषा लिखित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता के दौरान सीएमटीआई के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी वेंकटाचलम, नराकास (कार्यालय-4) के सदस्य सचिव राजभवन और एमटीआरडीसी डीआरडीओ के सहायक निदेशक (राजभाषा) डॉ. मालतेश मैलार उपस्थित थे। सदस्य कार्यालयों के अधिकारियों ने इस प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बुधवार को प्राधिकरण कार्यालय में बीएमआरडीए अधिकारियों के साथ उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बैठक की। बैठक में डीसीएम सचिव, बीएमआरडीए आयुक्त राजेंद्र चोलन और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कांग्रेस विधायक राजू कागे ने उत्तर कर्नाटक को अलग राज्य की मांग की

बेलगावी/दक्षिण भारत। कांग्रेस विधायक भरमगौड़ा (राजू) कागे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर उत्तर कर्नाटक के 15 जिलों को मिलाकर अलग राज्य बनाने की मांग की और आरोप लगाया है कि इस हिस्से के साथ हर क्षेत्र में अन्याय, भेदभाव और उपेक्षा की गई है।

उत्तर कर्नाटक के लोगों की दशकों पुरानी मांग को दोहराते हुए कागे ने कहा कि वह अलग राज्य के लिए उत्तर कर्नाटक संघर्ष समिति द्वारा शुरू किए गए हस्ताक्षर अभियान का समर्थन करते हैं।

कागे ने मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी और कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत को लिखे पत्र में कहा, ''मैं प्रशासनिक सुविधा और समग्र विकास के लिए उत्तर कर्नाटक के 15 जिलों - बीदर, कलबुर्गी, विजयपुरा, यादगीर, बागलकोट, बेलगावी, धारवाड़, गदग, कोप्पल, रायचूर, उत्तर कन्नड़, हावेरी, विजयनगर, बल्लारी और दावणगेरे को मिलाकर एक नए राज्य के निर्माण की अपनी मांग रखना चाहता हूं।'' कांग्रेस विधायक के कार्यालय ने 4 नवंबर के पत्र को बुधवार को पीटीआई-भाषा' के साथ साझा किया।

कागे के अनुसार, कर्नाटक के एकीकरण के बाद से, इस हिस्से को हर क्षेत्र में लगातार अन्याय, भेदभाव और उपेक्षा का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा, ''अलग राज्य बनने से एक और गौरवशाली कन्नड़ भाषी राज्य बनेगा, जो हमारे लिए सम्मान की बात होगी। उत्तरी कर्नाटक हर तरह के संसाधनों से समृद्ध क्षेत्र है और इसने कन्नड़ भाषा के संरक्षण और कर्नाटक के एकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।''

कोवलम समुद्र तट को लगातार पांचवीं बार ब्लू फ्लैग प्रमाणन मिला

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के पास लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक प्रसिद्ध कोवलम समुद्र तट ने लगातार पांचवें वर्ष 2025-26 के लिए प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ब्लू फ्लैग प्रमाणन हासिल किया है। तमिलनाडु के वित्त एवं पर्यावरण जलवायु परिवर्तन मंत्री थंगम थेन्नारसु ने मंगलवार रात को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए समुद्र तट के वैश्विक पारिस्थितिकी मानकों को बनाए रखने में राज्य सरकार और स्थानीय समुदाय की प्रतिबद्धता का भी उल्लेख किया। उन्होंने चेंगलपट्टू जिला प्रशासन और पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन एवं वन विभाग को इसके लिए बधाई भी दी।

इस उपलब्धि को लेकर राज्य के पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और वन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुप्रिया साहू ने कहा कि प्रदेश सरकार ने वैश्विक प्रमाणन के लिए तमिलनाडु में 10 अन्य समुद्र तटों का चयन किया है। इन समुद्र तटों में चेन्नई में चार, कुड्डालोर में दो तथा विल्लुपुरम, नागपट्टिनम, रामनाथपुरम और तूतीकोरिन में एक-एक समुद्र तट शामिल है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं: MD-CH-LPMED-MOU_5-2025 नियत तारीख: 21.11.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
छूट घटाने के बाद दवाओं	रु. 1,24,39,376.00

के लिए भुगतान की जाने वाली कीमत का प्रतिशत (%) (यदि छूट x है तो उपरोक्त मूल्य 100 - x होगा)। एमआरपी पर दी जाने वाली अधिकतम छूट का उल्लेख संलग्न अनुलग्नक में किया जाना है।

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 21.11.2025, 15:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
चिकित्सा निदेशक/केंद्रीय अस्पताल/ हुबली
PUB/638/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स के अत्याधुनिक कार्यालय का उद्घाटन, मादक पदार्थों के खिलाफ जंग को मिलेगी नई रफ्तार : राजीव कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस ने समाज को नशा-मुक्त बनाने के अपने मिशन में एक महत्वपूर्ण पड़ाव पार किया है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने बुधवार को जयपुर के जगतपुरा स्थित 7 नं. चौराहा महल रोड पर एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) के नवीन कार्यालय का शुभारंभ किया। इससे राज्य पुलिस की मादक पदार्थों के व्यापार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को और गति मिलेगी।

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने मुख्य द्वार पर पूजा-अर्चना कर और फीता खोलकर कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान आईजी एएनटीएफ विकास कुमार ने डीजीपी शर्मा को विंग की सभी शाखाओं का अवलोकन कराया और एएनटीएफ द्वारा की गई महत्वपूर्ण कार्यवाहियों पर एक विस्तृत प्रजेंटेशन भी दिया। इस मौके पर एएनटीएफ की श्रीगंगानगर, जोधपुर, बाड़मेर, जालोर सहित 10 चौकियों के प्रभारी भी ऑनलाइन जुड़े और अपना परिचय दिया। कार्यक्रम में डीजी ट्रैफिक अनिल पालीवाल, एडीजी सर्वदिनेश एमएन, हवा सिंह घुमरिया, भूपेंद्र साहू, वी के सिंह, विशाल बंसल, बिपिन पाण्डेय, प्रशाखा माथुर, लता मनोज कुमार सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

उद्घाटन के दौरान मीडिया से बात करते हुए, डीजीपी राजीव शर्मा ने एएनटीएफ के मिशन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एएनटीएफ की कुल 18 चौकियाँ स्थापित होनी हैं, जिनमें से 10 में संचालन शुरू हो चुका है। एएनटीएफ को अपने गठन के उद्देश्य को पूरा करने के लिए सभी आवश्यक संसाधनों से सुसज्जित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि नशे के विरुद्ध एक सघन और वृहद स्तर पर कार्रवाई हो, इसके लिए एक समन्वित प्रयास के साथ केंद्रीय और राज्य की अन्य एजेंसियों को साथ मिलकर काम करने की शुरुआत की गई है। अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर ड्रोन से मादक पदार्थों की सप्लाई से निपटने के लिए एंटी-ड्रोन सिस्टम तैनात किए गए हैं। बीएसएफ पहले से ही कार्यरत है और राजस्थान पुलिस भी इसके लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मादक पदार्थ की आवागमन-सप्लाई पर रोक लगे और इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

शर्मा ने बताया कि नशे के विरुद्ध कार्रवाई के लिए स्थानीय पुलिस की भी मदद ली जाएगी लेकिन एक समर्पित यूनिट के रूप में एएनटीएफ अपनी पूरी एनर्जी और समय इस समस्या पर लगाएगी, जिससे कार्रवाई निश्चित ही बेहतर हो सकेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे अपराधी जो नाबालिगों का उपयोग मादक पदार्थों की तस्करी में कर रहे हैं, उनके खिलाफ अब नए कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। गठन के बाद एएनटीएफ द्वारा एनसीबी के साथ मिल लगातार संयुक्त कार्रवाई की जा रही है, जिसे उन्होंने आगे भी जारी रखने का आश्वासन दिया।

अशोक गहलोत ने राजस्थान की कानून व्यवस्था पर उठाए सवाल, भाजपा नेता की हत्या पर बोले - यह जंगलराज का संकेत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने चित्तौड़गढ़ में भाजपा नेता की हत्या के बाद राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि चित्तौड़गढ़ में भाजपा नेता रमेश ईनाणी की हत्या प्रदेश में बढ़ती अराजकता और जंगलराज का संकेत है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आरोप लगाए कि ऐसा कोई दिन नहीं जा रहा, जब राजस्थान में जघन्य हत्याओं की खबरें न आएं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, राजस्थान में दिन दहाड़े गोली चलना अब प्रदेश की दिनचर्या में शामिल हो चुका है। गुंडों को अब किसी का डर नहीं रहा है। खास हो या आम आदमी, भाजपा के इस राज में सब निशाने पर हैं और सब असुरक्षित हैं। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनिवाल ने भी इस हत्याकांड के बाद राजस्थान की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, मैं राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से पूछना चाहता हूं कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद क्यों हैं? आखिरकार राजस्थान की जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन लेगा?

उन्होंने कहा, पूर्व में इसी जिले में निर्दोष युवक सूरज माली पर जानलेवा हमला हुआ और अब सत्ताधारी दल के नेता की ही गोली मारकर हत्या कर दी गई और हर रोज राजस्थान के किसी न किसी क्षेत्र में इस तरह की घटनाओं का सामने आना अत्यंत चिंताजनक है। पुलिस इस हत्या में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्यवाही करे।

इसी बीच, चित्तौड़गढ़ पुलिस ने रमेश ईनाणी हत्याकांड में मुख्य संदिग्ध का फुटेज जारी किया है। फोटो व वीडियो फुटेज के आधार पर मुख्य संदिग्ध की पहचान की जाएगी। चित्तौड़गढ़ पुलिस ने कहा, मुख्य संदिग्ध व्यक्ति की वीडियो व फोटो जारी किए जा रहे हैं। जो कोई व्यक्ति उक्त संदिग्ध व्यक्ति को पहचानता है तो वह पुलिस को पुलिस कंट्रोल रूम को 7300453344 नंबर व कोतवाली थाने को 01472-241060 पर सूचित करे। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

चित्तौड़गढ़ में भाजपा नेता और व्यवसायी रमेश ईनाणी की उस समय हत्या की गई, जब वे घर से अपने ऑफिस जा रहे थे। हेलमेट पहनकर आए बाइक सवार ने भाजपा नेता पर फायरिंग की, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई।

अधिकांश भागों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे

जयपुर। राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र-जयपुर के अनुसार राज्य के कई भागों में आने वाले दिनों में शीतलहर चलने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार सुबह तक बीते 24 घंटे की अवधि के दौरान राज्य के अधिकांश भागों में न्यूनतम तापमान 8.3 से 14.5 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया है। यह सामान्य से लगभग 2-3 डिग्री सेल्सियस कम है। इस दौरान सबसे कम न्यूनतम तापमान सीकर में 8.3 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से 3.4 डिग्री कम) रहा।

इसके अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तथा न्यूनतम तापमान में विशेष बदलाव दर्ज नहीं किया गया।

राजीव गांधी सेवा केंद्रों का नाम बदलना उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन : संयम लोढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सलाहकार रहे संयम लोढ़ा ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार ने 'भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्रों' से पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का नाम हटाकर उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन किया है। उन्होंने इस संबंध में मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव (ग्रामीण विकास) और सचिव (ग्रामीण विकास) को पत्र भेजा है। लोढ़ा ने अपने पत्र में भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्रों से राजीव गांधी का नाम हटाकर भारत निर्माण सेवा केंद्र करने को उच्च न्यायालय की अवमानना बताया। लोढ़ा के अनुसार 2018 में राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेश की अनुपालना में राज्य सरकार ने भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र का नाम अटल सेवा केंद्र करने के आदेश को निरस्त कर दिया था। इसके पश्चात राजस्थान सरकार ने उच्च न्यायालय के आदेश की पालना में पुन: इन सेवा केंद्र का नाम भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र कर दिया था।

लोढ़ा ने आरोप लगाया कि अब षड्यंत्र पूर्वक राज्य सरकार की ओर से 19 सितंबर 2025 को निकाले गए आदेश में हवाला तो रंग रोगन का दिया गया है लेकिन इस तरह का प्रारूप समस्त ग्राम पंचायत को भेजा गया है जिससे रंग रोगन के उपरांत जो नाम इन सेवा केंद्र का लिखा जाएगा उसमें राजीव गांधी का नाम न रहे। लोढ़ा ने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा 19 सितंबर को निकाला गया आदेश न्यायालय के आदेश की अवमानना की श्रेणी में आता है।

उन्होंने कहा, भाजपा सरकार षड्यंत्र पूर्वक इन केंद्रों से राजीव गांधी का नाम हटा रही है, यह कानूनी प्रावधान का तो उल्लंघन है ही इसके साथ ही राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेश की भी अवमानना है। लोढ़ा ने मुख्यमंत्री से मांग की कि सरकार तुरंत प्रभाव से इन सेवा केंद्रों का नाम पुन: भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र करे।

लालकिले के सामने हुई घटना के बाद श्याम मंदिर में बढ़ी सतर्कता, सुरक्षा जाब्ता तैनात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

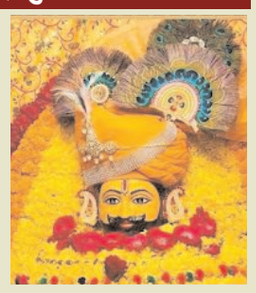

खाटूश्यामजी। नई दिल्ली के लालकिले के सामने हुई घटना के बाद जिला प्रशासन व खाटूश्यामजी पुलिस ने श्याम मंदिर सतर्कता बढ़ा दी गई है। जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड़ पर आ गया है। धार्मिक आस्था के केंद्र बाबा श्याम की नगरी में भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, धार्मिक स्थलों और ऐतिहासिक स्थानों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

थानाधिकारी पवन कुमार चौबे के नेतृत्व में सुरक्षा जाब्ता तैनात कर दिया गया है। कबूतर चौक, दर्शन प्रवेश द्वार, निकास मार्ग और तोरणद्वार सहित प्रमुख स्थानों पर हथियारबंद पुलिसकर्मियों को मुस्तैद रखा गया है। प्रशासन द्वारा किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर चौकस नजर रखी जा रही है और कहीं भी संदिग्ध हरकत दिखने पर तुरंत कार्रवाई के लिए टीमें सतर्क हैं। श्याम मंदिर के आसपास खड़े वाहनों को पुलिस द्वारा तुरंत हटवा दिया गया है। संदिग्ध वाहनों की तलाशी भी की जा रही है।

जयपुर, सीकर और भीलवाड़ा में इनकम टैक्स की बड़ी कार्रवाई : स्टील कारोबारियों के 35 ठिकानों पर छापेमारी

जयपुर । आयकर विभाग ने बुधवार सुबह राजस्थान के तीन प्रमुख शहरों जयपुर, सीकर और भीलवाड़ा में स्टील कारोबार से जुड़ी कंपनियों पर बड़ी कार्रवाई की। टैक्स चोरी की आशंका के चलते तीनों शहरों में एक साथ 35 ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। सूत्रों के अनुसार, स्टील कारोबार से जुड़ी कई फर्मों पर लंबे समय से आयकर चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। इसी के तहत विभाग की अन्वेषण शाखा (खपींशींळसरींळेप थळपस) ने बुधवार सुबह एक साथ कई टीमों को रवाना किया। कार्रवाई जयपुर के 15, सीकर और भीलवाड़ा के कुल 20 ठिकानों पर जारी है। रत्नाकर ग्रुप पर विशेष फोकस

भीलवाड़ा में यह कार्रवाई रत्नाकर ग्रुप पर केंद्रित रही, जिसकी गिनती शहर के प्रमुख स्टील कारोबारियों में होती है। विभाग की टीम ने गांधीनगर स्थित मुख्य कार्यालय और पांसल रोड की फैक्ट्री में पहुंचकर छापेमारी की।

सूत्र बताते हैं कि रत्नाकर ग्रुप पर इससे पहले डीजीजीआई ने भी कार्रवाई की थी और करीब 20 करोड़ रुपये की पेनल्टी लगाई थी। ग्रुप के डायरेक्टर शंकरलाल जाट हैं, जबकि उनके भाई डालचंद जाट और पुत्र राजेंद्र चौधरी भी कारोबार से जुड़े हुए हैं। कंपनी का सालाना टर्नओवर 100 करोड़ रुपये से अधिक बताया जा रहा है। आयकर विभाग की टीमों ने छापेमारी के दौरान न केवल वित्तीय दस्तावेजों की जांच की, बल्कि कंप्यूटर, हार्ड डिस्क और अन्य डिजिटल उपकरणों को भी खंगाला जा रहा है।

महिला सशक्तिकरण पर राजीविका के राष्ट्रीय सम्मेलन का दूसरा दिन रहा सार्थक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका), ग्रामीण विकास विभाग, राजस्थान सरकार एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एग्रीकल्चर एंड लाइवस्टॉक एंटरप्रेन्योरशिप पर तीन दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस के दूसरे दिन बुधवार को विविध सत्रों के माध्यम से सहयोग, नवाचार एवं महिला सशक्तिकरण पर गहन मंथन किया गया। कार्यक्रम में सचिव, ग्रामीण विकास विभाग,भारत सरकार शैलेश कुमार सिंह भी ऑनलाइन वीसी के माध्यम से जुड़कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान अपनी मज़बूत स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) आधारशिला और उद्यमशीलता की भावना के साथ एनआरएलएम 2.0 के लिए एक प्रकाशस्तंभ राज्य बन सकता है। उन्होंने शीलाइफ़ के माध्यम से महिलाओं को कृषिपशुधन उद्यमियों के रूप में सशक्त बनाकर ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने पर बल दिया। सम्मेलन ने जलवायु-स्मार्ट, कम-कार्बन मूल्य श्रृंखलाओं और क्रेडिट से आगे समावेशी वित्तीय ढाँचों के एकीकरण का आह्वान किया।

कांग्रेस निर्वाचन आयोग के राजनीतिक एजेण्डा को नहीं होने देगी कामयाब : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि एसआईआर के बहाने निर्वाचन आयोग राजनीतिक एजेण्डा साधना चाहता है, इसे कांग्रेस कामयाब नहीं होने देगी। पायलट मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पत्नी इंदिरा देवनानी के निधन पर परिजन को सांत्वना देने और शोक प्रकट करने के लिए अजमेर पहुंचे थे। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि लोकसभा में नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी और हम सभी वोट चोरी पर सवाल उठा रहे हैं।गांधी ने कई सबूत भी आयोग को दिए हैं। निर्वाचन आयोग लोगों के भरोसे और आस्था की संस्था है। इसे सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों की पालना करते हुए एसआईआर को पारदर्शी बनाना चाहिए, न कि जल्दबाजी और दबाव में काम करना चाहिए। वास्तविक मतदाता का मतदाता सूची से नाम नहीं हटना चाहिए। बिहार में लाखों लोगों के नाम अनाधिकृत रूप से हटा दिए गए और जिन लोगों की मृत्यु हो गई उनके नाम जोड़ दिए गए। यह राजस्थान में नहीं होना चाहिए। देश की राजधानी दिल्ली में हुए ब्लास्ट की पायलट ने निंदा करते हुए इसे देश के लिए गंभीर चिंताजनक बताया है। उन्होने कहा कि सरकार को इस घटना के लिए जिम्मेदार संगठन या व्यक्ति की तुरन्त गिरफ्तारी करते हुए ठोस कार्रवाई करनी चाहिए और देश व प्रदेश की सुरक्षा को मजबूत करना चाहिए।

शेखावत ने संत भोलाराम की स्थली पर अर्पित की श्रद्धा, शोक सभाओं में हुए शामिल

जोधपुर/नागौर। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जोधपुर से देर रात नागौर जिले के ग्राम संखवास पहुंचकर संत भोलाराम जी महाराज की पवित्र स्थली पर अपनी श्रद्धा अर्पित की।उन्होंने समाधि पर धोक लगाई और ज्योत दर्शन किए। इस दौरान शेखावत ने स्थानीय जनों से आत्मीय संवाद किया और क्षेत्र की जनभावनाओं का हालचाल जाना। मंत्री शेखावत ने क्षेत्रवासियों के स्नेह, सम्मान और अपनायत के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।संखवास में वह निजी कार्यक्रम में शामिल हुए, इससे पूर्व जोधपुर से शेरगढ़ के केतु भी गए थे जहाँ निजी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद वे रात में संखवास पहुंचे। तत्पश्चात देर रात पुनः जोधपुर लौटकर आज सुबह दिल्ली के लिए प्रस्थान किया। शोक सभाओं में पहुंचे, परिजनों को दी सांत्वना जोधपुर प्रवास के दौरान केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने विभिन्न शोक सभाओं में पहुंचकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवारों के बीच पहुंचकर दुःख साझा किया।उन्होंने अनुजवृत सखा सुरजी 'इंडियन' के असामयिक निधन पर उनके निवास स्थान जाकर परिवारजनों को सांत्वना दी और इस कठिन समय में धैर्य रखने का संबल दिया।इसी क्रम में उन्होंने समाजसेवी सांग सिंह जी के पितृ शोक और भाजपा कार्यकर्ता दिनेश जी चौधरी के मातृ शोक पर भी उपस्थित होकर संवेदना व्यक्त की। इसके अतिरिक्त शेखावत ने बाहेती परिवार के वरिष्ठ सदस्य सेठ जेठमल जी के देवलोक गमन पर उनके अंतिम संस्कार में शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवार के सदस्यों से मिलकर दुःख-दर्द साझा किया।

पहली बार राज्य के सातों संभाग मुख्यालयों पर आयोजित होगा घूमर फेस्टिवल : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।उपमुख्यमंत्री और पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि घूमर नृत्य राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान है। उन्होंने कहा कि राज्य में पहली बार घूमर नृत्य आधारित घूमर फेस्टिवल - 2025 का बुधवार, 19 नवम्बर, 2025 को आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन राज्य के सातों संभाग मुख्यालयों पर एक ही दिन 19 नवम्बर को भव्य रूप में आयोजित किया जाएगा। वहीं इसी दिन जयपुर के जयपुर में विद्याधर नगर स्टेडियम के फुटबॉल ग्राऊंड पर राज्यस्तरीय घूमर फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में घूमर महोत्सव, 2025 की तैयारी एवं समन्वय के संबंध में बुधवार को राजस्थान पर्यटन भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में जनप्रतिनिधियों एवं स्टेकहोल्डर्स के साथ एक बैठक आयोजित हुई। दिया कुमारी ने बताया कि जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, उदयपुर, कोटा और भरतपुर में 19 नवंबर को आयोजित हो रहा यह घूमर महोत्सव राजस्थान की कला संस्कृति से छटा बिखेरेगा। इसमें 12 वर्ष से अधिक उम्र की बालिकाएं और किसी भी उम्र की महिलाएं इसमें भाग ले सकती हैं।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने स्कूल-कॉलेज की छात्राओं, गृहणियों, प्रोफेशनल डॉंसर, कामकाजी महिलाओं का आह्वान किया कि वे इस नृत्य फेस्टिवल में भाग लें और अपनी कला संस्कृति को बढ़ावा दें। दिया कुमारी ने सभी को घूमर महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने फेस्टिवल में पधारने वाले दर्शको से भी पारम्परिक वेशभूषा में आने का आग्रह किया।

प्रसव के बाद महिला की मौत : मुर्दाघर के बाहर परिजनों का हंगामा, डॉक्टर पर लगाए लापरवाही के आरोप

जयपुर। जयपुर के जनाना अस्पताल में प्रसव के बाद महिला की तबीयत बिगड़ने से उसकी मौत हो गई। नवजात की हालत भी स्थिर बनी हुई है। परिजनों का आरोप है कि प्रसव के बाद महिला कोमल बुनकर 27 की तबीयत बिगड़ी तो अस्पताल में मौजूद स्टाफ को इसके बारे में बताया। मगर किसी भी प्रकार की कोई मदद नहीं मिली। जब मामला हाथ से निकलने लगा तो डाक्टरों की टीम हरकत में आई। मृतका के मामा ससुर हरिकिशन का कहना है कि करीब एक घंटे बाद आकर डाक्टरों ने कोमल को मृत घोषित कर दिया। जब तबियत खराब थी तो हमने बार बार जाकर स्टाफ को बोला, लेकिन किसी ने भी नहीं सुनी। परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि अगर डॉक्टर समय रहते ध्यान देते तो आज हमारे परिवार का सदस्य नहीं मरता। एसएमएस मोर्चरी के बाहर परिजनों का धरना प्रदर्शन प्रसव के बाद महिला की मौत से गुस्साए परिजन एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठ गए। धरने पर बैठे परिजन मृतका कोमल वर्मा को न्याय दिलाने के साथ जनाना अस्पताल मुर्दाबाद के नारे लगाए। मामा हरिकिशन ने कहा कि हमारी कोई विशेष मांग नहीं है। प्रसव के दौरान जिन डॉक्टर और स्टाफ की लापरवाही से जान गई, उन्हें तुरंत प्रभाव से बर्खास्त किया जाए। जिला कलेक्टर आए और पीड़ितों को न्याय दिलावे। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

स्वच्छ ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता लगभग 260 गीगावाट पर : श्रीपद नाइक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा एवं बिजली राज्यमंत्री श्रीपद नाइक ने बुधवार को कहा कि भारत की स्थापित स्वच्छ ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता लगभग 260 गीगावाट तक पहुंच गई है।

मंत्री ने हरित हाइड्रोजन पर तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस मजबूत नवीकरणीय आधार ने भारत को अगला निर्णायक कदम... हरित हाइड्रोजन क्रांति... उठाने के लिए सशक्त बनाया है। इसका लक्ष्य ''हमारी नवीकरणीय शक्ति को स्वच्छ ईंधन में परिवर्तित करना है जो उद्योगों को कार्बन मुक्त कर सकें, परिवहन को ईंधन प्रदान कर सकें और वैश्विक व्यापार का समर्थन कर सकें।'' उन्होंने कहा, ''आज, हमारी स्थापित स्वच्छ ईंधन आधारित बिजली उत्पादन क्षमता लगभग 260 गीगावाट (एक गीगावाट बराबर 1,000 मेगावाट) तक पहुंच गई है। इसमें सौर और पवन ऊर्जा इस क्रांति का नेतृत्व कर रही हैं, जिसे हाइब्रिड (एक ही जगह सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाएं), भंडारण और ग्रिड आधुनिकीकरण उपायों का समर्थन प्राप्त है।'' मंत्री ने कहा कि जनवरी, 2023 में शुरू किया गया राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन भारत की स्वच्छ ऊर्जा की कहानी में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। उन्होंने कहा कि केवल दो वर्षों में, हम योजना से ठोस कार्रवाई की ओर बढ़ गए हैं और हरित हाइड्रोजन उत्पादन और इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण के लिए 17,000 करोड़ रुपए से अधिक की प्रोत्साहन योजनाओं का आवंटन किया है। नाइक ने यह भी कहा कि घरेलू इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण के लिए 3,000 मेगावाट प्रति वर्ष और हरित हाइड्रोजन उत्पादन के लिए 8.62 लाख टन प्रति वर्ष परियोजनाएं प्रदान की गई हैं।

जनजातीय समुदाय के उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने की योजना पर काम जारी : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि मंत्रालय आदिवासियों द्वारा विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने की योजना पर काम कर रहा है। गोयल ने आदिवासी व्यापार सम्मेलन में आदिवासी उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा, ''आपके उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक योजना पर काम चल रहा है। चाहे ई-कॉमर्स के माध्यम से हो या अंतरराष्ट्रीय गोदाम बनाकर, ताकि आपके उत्पाद वहां प्रदर्शित हो सकें, आपके उत्पाद वहां उपलब्ध हो सकें और लोग आकर उन्हें खरीद सकें।''

मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने जनजातीय मामलों के मंत्रालय के लिए धन आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की है। गोयल ने यह भी सुझाव दिया कि उद्यमी उन वस्तुओं की पहचान करें जिन्हें भौगोलिक संकेतक (जीआई) के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है।

भौगोलिक संकेतक के अंतर्गत आने वाली वस्तुओं को 10 वर्षों के लिए कानूनी संरक्षण प्राप्त होता है।

बुधवार को यशोभूमि में संपन्न हुए जनजातीय व्यापार सम्मेलन का उद्देश्य जनजातीय उद्यमिता को मजबूत करना और समावेशी वृद्धि को गति देना था।

डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, जनजातीय कार्य मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सम्मेलन में जनजातीय क्षेत्रों में उद्यम-आधारित विकास को गति देने पर एक दिवसीय संवाद के लिए 250 से अधिक जनजातीय उद्यमियों को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में एमएसएमई, कौशल विकास एवं उद्यमिता, वस्त्र, कृषि और ग्रामीण विकास जैसे मंत्रालयों की सक्रिय भागीदारी रही।

इस मौके पर जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम ने कहा कि सरकार इन उद्यमियों के विकास के लिए काम करने को प्रतिबद्ध है।

ओडिशा के मुख्यमंत्री ने 'बाली यात्रा' एक दिन के लिए बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बुधवार को कटक में 'बाली यात्रा' को एक दिन और बढ़ाने की घोषणा की। पांच नवंबर को 'कार्तिक पूर्णिमा' के अवसर पर शुरू हुआ और बुधवार (12 नवंबर) को समाप्त होने वाला वार्षिक व्यापार मेला अब 13 नवंबर तक आयोजित होगा।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि त्योहार के प्रति आम लोगों की रुचि और मेले में व्यापारियों के व्यापार को ध्यान में रखते हुए, मुख्यमंत्री ने इसकी अवधि बढ़ा दी है। यह उत्सव हर साल महानदी नदी के तट पर उस समय को चिह्नित करने के लिए आयोजित किया जाता है जब राज्य के नाविक व्यापार और संस्कृति के विस्तार के लिए प्राचीन काल में इंडोनेशिया में बाली, सुमात्रा एवं जावा तथा बोर्नियो और श्रीलंका की यात्रा करते थे।

रेस्तरां मालिकों से डिलिवरी शुल्क का बोझ घटाने को एनआरएआई ने शुरू की प्रायोगिक परियोजना

कोलकाता/भाषा। रेस्तरां मालिकों के एक संगठन ने रेस्तरां संचालकों के लिए एक समान वित्तीय ढांचा तैयार करने और लंबी दूरी की डिलिवरी शुल्क जैसी समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से फूड एग्रीगेटर्स के साथ नई साझेदारी के तहत एक प्रायोगिक परियोजना शुरू की है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

नेशनल रेस्तरां एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) के कोलकाता चैप्टर के प्रमुख पीयूष कांकरिया ने बताया कि यह नई पहल इस बात को सुनिश्चित करने के लिए तैयार की गई है कि डिलिवरी कमीशन और लंबी दूरी के शुल्क से रेस्तरां संचालकों पर अनुचित बोझ न पड़े। हम एक नए कमीशन ढांचे पर काम कर रहे हैं, जिसमें लंबी दूरी के शुल्क का असर रेस्तरां मालिकों पर नहीं पड़ेगा। अंततः एग्रीगेटर्स और रेस्तरां दोनों का साथ-साथ रहना आवश्यक है। हो सकता है कि हमें एग्रीगेटर्स के साथ काम करने के कुछ पहलू पसंद न हों, लेकिन उनके बिना काम नहीं चल सकता।

लाल किला विस्फोटः प्रधानमंत्री मोदी ने पीड़ितों से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

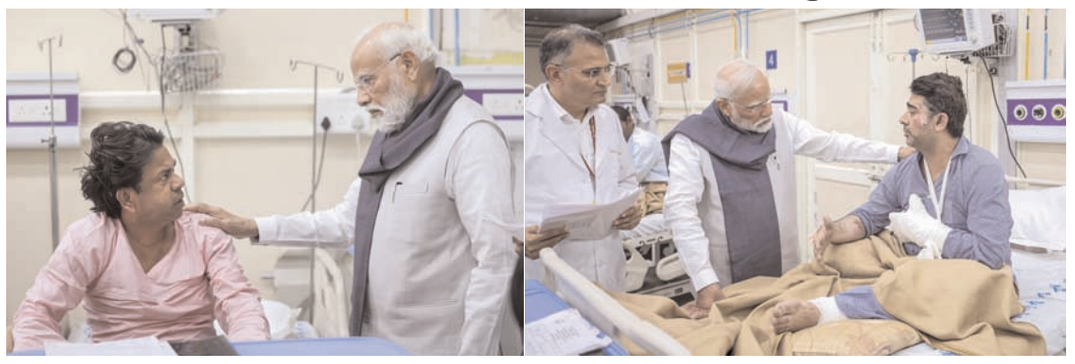

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस सप्ताह की शुरुआत में लाल किले के निकट हुए विस्फोट में घायल लोगों से बुधवार को एलएनजेपी अस्पताल में मुलाकात की और कहा अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''दिल्ली में बम विस्फोट में घायल हुए लोगों से मिलने एलएनजेपी अस्पताल गया। सभी के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। इस साजिश के पीछे जो भी लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा!''

अस्पताल में तथा इसके आसपास भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने बताया कि भूटान से वापस आने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विस्फोट में घायल हुए लोगों से मिलने के लिए सीधे एलएनजेपी अस्पताल गए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घायलों से मुलाकात की और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

उन्होंने बताया कि अस्पताल के अधिकारियों और चिकित्सकों ने उन्हें घायलों के बारे में जानकारी दी। सोमवार को लाल किला यातायात सिग्नल के निकट धीमी गति से चलती एक गाड़ी में हुए उच्च-तीव्रता वाले विस्फोट में 12 लोगों की मौत हो गई थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को अस्पताल पहुंचे थे और पीड़ितों से मिले थे।

एनआईए ने त्रिपुरा के उनाकोटी में दस्तावेज़ फर्ज़ीवाड़ा जांच के तहत कई स्थानों पर छापे मारे

अगरतला/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की टीम ने त्रिपुरा पुलिस के साथ मिलकर मंगलवार को प्रदेश के उनाकोटी जिले में कई स्थानों पर छापे मारे। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। पुलिस नियंत्रण के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजदीप देब ने बताया कि एनआईए की अहमदाबाद शाखा ने पहले त्रिपुरा पुलिस को इस कार्रवाई की सूचना दी थी। उन्होंने कहा, एनआईए की टीम ने आज उनाकोटी जिले में छापामारी की, लेकिन हमें आगे की जानकारी नहीं मिली है। राज्य पुलिस की खुफिया शाखा के सूत्रों ने बताया कि छापों का उद्देश्य दो व्यक्तियों ह्नव्यपुर क्षेत्र के रहने वाले परितोष शिल (45) और कुमारघाट पीएस क्षेत्र के नीडेवी क्षेत्र के निवासी रानु पाल (42) का पता लगाना था। ये दोनों कथित रूप से नकली दस्तावेज़ तैयार करने में शामिल बताए जा रहे हैं। स्थानीय मीडिया से बात करते हुए शिल ने पुष्टि की कि एनआईए अधिकारी सुबह लगभग चार बजे उनके घर पहुंचे। उन्होंने कहा, उन्होंने मेरे घर की तलाशी ली, कई दस्तावेजों की जांच की और मेरा मोबाइल फोन और बैंक पासबुक जब्त कर लिया। उन्होंने मुझे 20 नवम्बर को एनआईए के अहमदाबाद कार्यालय में पेश होने को कहा।

बिहार में महिलाओं ने सुशासन के लिए राजग के पक्ष में 'निर्णायक' मतदान किया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में महिलाओं का भारी संख्या में मतदान करना एक ''ऐतिहासिक परिवर्तन'' है तथा दावा किया कि उन्होंने विकास और सुशासन के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पक्ष में ''निर्णायक'' वोट दिया।

भाजपा ने कहा, ''2014 से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन के लिए सत्ता-समर्थक रुझान भारतीय लोकतंत्र में एक नया आयाम बन गया है, एक ऐसा चलन जो पहले कभी नहीं देखा गया।'' निर्वाचन आयोग द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, बिहार में कुल 66.91 प्रतिशत मतदान हुआ, जो 1951 में हुए पहले राज्य चुनावों के बाद से सबसे अधिक है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि महिला मतदाताओं का ''अभूतपूर्व'' मतदान इस बात का संकेत है कि उन्होंने राजग के पक्ष में मतदान किया। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव प्रधानमंत्री मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी में से एक को चुनने के लिए है। उन्होंने यह भी कहा कि यह चुनाव राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद तथा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार में से एक को चुनने का भी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''अगले 48 घंटे में नतीजे आ जाएंगे... राजग की ओर सकारात्मक रुख है।''

भारत ने महिला दृष्टिबाधित टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया को हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को यहां महिला दृष्टिबाधित टी20 विश्व कप मैच में ऑस्ट्रेलिया को 209 रन से रौंद दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान दीपिका टीसी (91 रन, 58 गेंद) और फुला सरेन (नाबाद 54, 22 गेंद) के अर्धशतक से चार विकेट पर 292 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। ऑस्ट्रेलिया ने 52 अतिरिक्त रन देने के अलावा 26 रन पेनल्टी के भी दिए। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम 19.3 ओवर में 57 रन पर आउट हो गई। दीपिका को मैच की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। एक अन्य मैच में नेपाल ने श्रीलंका को नौ विकेट से हराया। श्रीलंका के 88 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नेपाल ने 5.2 ओवर में एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

असम में नया सैन्य अड्डा सीमा सुरक्षा और खुफिया तंत्र को मजबूती प्रदान करेगा: विशेषज्ञ

गुवाहाटी/भाषा। विशेषज्ञों का कहना है कि सीमा पार से होने वाले अपराधों में वृद्धि और कट्टरपंथी समूहों की गतिविधियों तथा पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ने वाले गलियारे पर बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार द्वारा ''दबाव'' बनाने के कथित प्रयासों की आशंकाओं के बीच, असम में नया सैन्य अड्डा विशेष महत्व रखता है।

उन्होंने कहा कि इस तरह का अड्डा स्थापित होने से सीमा सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा और संबंधित अधिकारियों को खुफिया क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग 40 किलोमीटर दूर, असम के धुबरी जिले के बामुनिगांव में भारतीय सेना द्वारा लाचित बोरफुकन सैन्य अड्डा स्थापित किया जा रहा है, जो राज्य के पश्चिमी क्षेत्र में पहला सैन्य अड्डा है। पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल आर सी तिवारी ने पिछले हफ्ते अग्रिम इलाकों के दौरे पर इस अड्डे की आधारशिला रखी।

टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स का सूचीबद्ध होना ''निर्णायक क्षण'': एन. चंद्रशेखरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने बुधवार को टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स के सूचीबद्ध होने को कंपनी के सफर के साथ-साथ मोटर वाहन उद्योग के लिए एक ''निर्णायक क्षण'' बताया।

टाटा मोटर्स के विभाजन के पूरा होने और उसके दो स्वतंत्र सूचीबद्ध इकाइयों में विभाजित होने के बाद टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स बाजार में सूचीबद्ध हुई। बीएसई में टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स के सूचीबद्धता समारोह में चंद्रशेखरन ने कहा, '' यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण क्षण है, एक काफी अहम उपलब्धि है....एक निर्णायक क्षण... टाटा मोटर्स और मोटर वाहन उद्योग दोनों के लिए ...'' टाटा मोटर्स की वाणिज्यिक वाहन इकाई का शेयर एनएसई पर अपने निर्धारित मूल्य से 28.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ 335 रुपए पर खुला। बीएसई पर यह 26.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 330.25 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ। एनएसई पर कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,22,345.46 करोड़ रुपए रहा। टाटा मोटर्स का विभाजन एक अक्टूबर से प्रभावी हुआ। टाटा मोटर्स को एक ''प्रतिष्ठित'' कंपनी बताते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी कंपनी में संरचनात्मक बदलाव करना बहुत मुश्किल होता है। उन्होंने कहा कि पहली बात, कंपनी के लोग पूरी लगन से मानते हैं कि यह एक अच्छी एवं मजबूत कंपनी है और हमें इसमें हाथ नहीं डालना चाहिए। दूसरी समूह की भी राय होती, एक नजरिया होता कि यह एक प्रतिष्ठित कंपनी है।

बिहार में बदलाव के लिए पड़ा वोट, महागठबंधन बनाएगा सरकार, 18 नवंबर को लेंगे शपथ : तेजस्वी

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को दावा किया कि बिहार विधानसभा चुनाव में हुई रिकॉर्ड तोड़ मतदान से स्पष्ट है कि राज्य की जनता ने इस बार बदलाव के लिए वोट किया है। तेजस्वी ने इसके साथ ही कहा कि महागठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलने जा रहा है और 18 नवंबर को नई सरकार शपथ लेगी। पटना में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, इस बार 2020 की तुलना में बिहार में 72 लाख अधिक मत पड़े हैं और यह वोट 'परिवर्तन के पक्ष' में पड़े हैं।'' तेजस्वी ने कहा, ''प्रदेश में 72 लाख लोगों ने नीतीश कुमार को बचाने के लिए नहीं बल्कि बिहार में बदलाव लाने और सरकार बदलने के लिए मतदान किया है। लोगों ने महागठबंधन के पक्ष में मतदान किया है और हम 18 नवंबर को शपथ लेंगे।'' एग्जिट पोल के बारे में तेजस्वी ने कहा, ये सर्वे तो बंगाल (में तृणमूल कांग्रेस को) हरा रहा था। 2024 में कुछ मीडिया राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)को लोकसभा में 400 सीटों के पार करा रहे थे नतीजा आपने देखा।''

इटावा में लुप्तप्राय प्रजाति के 197 कछुए बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

इटावा/भाषा। उत्तर प्रदेश के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने इटावा जिले में एक अंतरराज्यीय वन्यजीव तस्कर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 197 जीवित कछुए बरामद किए हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एसटीएफ ने यहां जारी एक बयान में बताया कि मंगलवार को एसटीएफ ने इटावा में अंतरराज्यीय स्तर पर लुप्तप्राय प्रजाति के कछुओं की तस्करी करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 197 जिंदा कछुए बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान बरेली के राकेश कश्यप और उत्तराखंड के उधमसिंह नगर के मुकेशवाला निवासी के रूप में हुई है।

उम्मीद है कि हमने न्यूजीलैंड शृंखला से कुछ सीखा होगा : टेन डोएशे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय टीम शुक्रवार से शुरू हो रही दो टेस्ट मैच की शृंखला में दक्षिण अफ्रीका का सामना करने के लिए तैयार है और मेजबान टीम के सहायक कोच रेयान टेन डोएशे को उम्मीद है कि उनके बल्लेबाजों ने पिछले साल घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड से शृंखला में मिली हार से सबक सीखा होगा

टेन डोएशे ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका का स्पिन आक्रमण काफी मजबूत है जिससे उनके खिलाफ मुकाबला करना उपमहाद्वीप की एक टीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने जैसा लग रहा है। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें स्पिनरों द्वारा पेश की गई चुनौती से निपटने में बेहतर होने की जरूरत है।

पाकिस्तान में दक्षिण अफ्रीका की हाल की टेस्ट शृंखला में केशव महाराज, साइमन हार्मर, सेनुरन मुथुसैमी और प्रेनेलन सुब्रयन की स्पिन चौकड़ी ने 35 विकेट लेकर दो मैच की शृंखला 1-1 से बराबर कर दी थी। टेन डोएशे ने शुरुआती टेस्ट से पहले मीडिया बातचीत में कहा, ''उनके पास चार (तीन विशेषज्ञ) स्पिनर हैं।

संभावना है कि वे तीन स्पिनरों के साथ खेलेंगे और यह कुछ हद तक किसी उपमहाद्वीपीय टीम के खिलाफ खेलने जैसा ही है। '' दक्षिण अफ्रीका की टीम तेज और स्पिन दोनों में संतुलित आक्रमण के साथ आई है।

अगर कागिसो रबाडा और मार्को यानसेन तेज गेंदबाजी विभाग की कमान संभालते हैं तो उनके पास महाराज, साइमन और मुथुसैमी के रूप में तीन विशेषज्ञ स्पिनर भी हैं। हार्मर (13), मुथुसैमी (11) और महाराज (9) ने दो टेस्ट मैचों में मिलकर 33 विकेट लिए। मुथुसैमी ने 106 रन भी बनाए और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। टेन डोएशे ने कहा, ''आमतौर पर आप सबसे पहले तेज गेंदबाजी की चिंता करते हैं और मुझे पूरा यकीन है कि वे दो तेज गेंदबाजों और चार नहीं तो तीन स्पिनरों के साथ उतरेंगे। लेकिन जब आप उपमहाद्वीप में खेल रहे हों तो यह भी एक चुनौती होती है। '' उन्होंने कहा, ''एक टीम के तौर पर हमें इसमें बेहतर होने की जरूरत है। हमने शुरुआत में ही इस पर ध्यान दिया। यह एक बड़ी चुनौती है। '' यह चिंता जायज भी लगती है क्योंकि ठीक एक साल पहले भारत को न्यूजीलैंड के हाथों अपने ही घरेलू मैदानों पर 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था। यह हार मुख्यतः स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ लचर प्रदर्शन से हुई थी जिसमें एजाज पटेल (15), मिशेल सैंटनर (13) और ग्लेन फिलिप्स (8) ने मिलकर 36 विकेट लिए थे।

मुझे पूरा विश्वास है कि हम यहां इतिहास रच सकते हैं : शुक्री कॉनराड

कोलकाता/भाषा। दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड को उम्मीद है कि केशव महाराज, सेनुरन मुथुस्वामी और साइमन हार्मर की उनकी स्पिन तिकड़ी भारत के अपने अनुभवी प्रतिद्वंद्वियों के सामने कड़ी चुनौती पेश करेगी और उनकी टीम दो मैच की टेस्ट शृंखला जीतकर इतिहास रचने में सफल रहेगी। उन्होंने इस शृंखला की तुलना ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से की। पहला टेस्ट मैच शुक्रवार से ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा जबकि गुवाहाटी 22 नवंबर से अपने पहले टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनरों ने हाल में पाकिस्तान दौरे पर अच्छा प्रदर्शन किया था और वह भारत के खिलाफ भी ऐसा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कॉनराड ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''क्या आपकी टीम में अच्छे स्पिनर होने से पूरे मुकाबले का रोमांच बढ़ जाता है। मेरा जवाब है हां। मुझे लगता है कि इससे हमें काफी आत्मविश्वास मिलता है।'' उन्होंने कहा, ''मैं यह नहीं कह रहा हूं कि अतीत में हमारे पास अच्छे स्पिनर नहीं थे, लेकिन हमें निश्चित रूप से लगता है कि अब केशव, साइमन और सेन के रूप में हमारे पास बेहतर स्पिनर हैं। अगर परिस्थितियां अनुकूल रहीं तो हम महसूस करेंगे कि हमारे पास भारत को चुनौती देने के लिए पर्याप्त मारक क्षमता है। हमें पूरा विश्वास है कि हम ईडन गार्डन्स और भारत में नया इतिहास रच सकते हैं।''

सुविचार

मनुष्य के जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य ईश्वर को प्राप्त करने की इच्छा शक्ति होनी चाहिए। उनका कहना था कि कामिनी-कंचन ईश्वर प्राप्ति के मार्ग में बाधा पैदा करने जैसा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बिहार: सही साबित होंगे एग्जिट पोल्स?

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण का मतदान होने के बाद सभी बड़े एग्जिट पोल्स में राजग की जीत का अनुमान लगाया गया है। इससे भाजपा, जद (यू) और अन्य घटक दलों में खुशी की लहर है। हालांकि 14 नवंबर को जब ईवीएम खुलेंगी तो राजनीतिक दलों के साथ ही इन एग्जिट पोल्स की भी परख होगी। इस बार बिहार के लोगों ने मतदान का नया कीर्तिमान बना दिया। महिलाओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। अभी राजनीतिक दल और विश्लेषक अपने तरीके से गुणा-गणित में व्यस्त हैं। मतदान के आंकड़ों ने उम्मीदवारों को थोड़ा चिंतित भी कर दिया है। अगर एग्जिट पोल्स सही साबित हुए तो इससे यह संदेश जाएगा कि बिहार ने सत्ताविरोधी लहर के कयासों को पूरी तरह खारिज करते हुए राजग पर मजबूती से भरोसा जताया है। इसका असर अन्य राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों, खासकर पश्चिम बंगाल में दिखाई दे सकता है। इससे भाजपा कार्यकर्ता बहुत उत्साहित महसूस करेंगे। अगर मैदान महागठबंधन के हाथ लग गया तो एग्जिट पोल्स करने वालों की एक बार फिर किरकिरी होगी। ध्यान रखें, ये सिर्फ अनुमानों पर आधारित होते हैं। ये कई बार सही साबित हुए हैं, कई बार असल नतीजों से कोसों दूर भी रहे हैं। इनके गलत साबित होने पर यह कहकर व्यंग्य किया जाता है कि सर्वेक्षण करने वालों ने अपने दफ्तर में बैठकर ही आंकड़े भर दिए थे! याद करें, साल 2024 के लोकसभा चुनाव में अंतिम चरण का मतदान होते ही एग्जिट पोल्स क्या कह रहे थे? ज्यादातर ने अनुमान लगाया था कि भाजपा अपने दम पर भारी बहुमत लेकर सत्ता में आएगी। नतीजे हैरान करने वाले थे।

पिछले साल हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों ने भी एग्जिट पोल्स को पूरी तरह गलत साबित किया था। वहीं, साल 2022 में गुजरात और हिमाचल प्रदेश में एग्जिट पोल्स काफी हद तक सही साबित हुए थे। इसी तरह साल 2023 में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में एग्जिट पोल्स कहीं सही, तो कहीं गलत साबित हुए थे। छत्तीसगढ़ में कांटे की टक्कर बताई गई थी, लेकिन भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस को पछाड़ दिया था। मध्य प्रदेश में सीटों का अनुमान सटीक नहीं था। राजस्थान में भाजपा के सत्ता में आने का अनुमान सही साबित हुआ था। उम्मीद है कि एग्जिट पोल्स के विश्लेषकों ने पिछले अनुभवों से सीखा होगा और डेटा एकत्रीकरण एवं विश्लेषण से संबंधित पुख्ता तौर-तरीके अपनाए होंगे। मतदाता के मन की थाह पाना आसान नहीं है। कई मतदाता अपना मत जिस उम्मीदवार को देकर आते हैं, उसके बारे में मीडिया, सर्वेक्षण कर्ताओं आदि को सही जानकारी नहीं देते। नेताओं की जनसभाओं, घोषणाओं और राष्ट्रीय/स्थानीय घटनाओं की वजह से भी मतदाताओं की पसंद बदलती है। जो एग्जिट पोल इन सभी बिंदुओं का आकलन करने में जितना सफल रहता है, उसका अनुमान चुनाव नतीजों के उतना ही निकट होता है। बिहार के एग्जिट पोल्स में एक बात बहुत चौंकाने वाली है। ज्यादातर ने जन सुराज को शून्य से लेकर 2 या 3 सीटें दी हैं। एक एग्जिट पोल ने अधिकतम 5 सीटें मिलने का अनुमान लगाया है। क्या यह पार्टी एक अंक में ही सिमट जाएगी? अगर ये अनुमान सच साबित हुए तो प्रशांत किशोर और जन सुराज के कार्यकर्ताओं की उम्मीदों को बड़ा झटका लगेगा। चुनाव नतीजे जो भी आएं, सभी राजनीतिक दल, उम्मीदवार, नेता और कार्यकर्ता उन्हें जनता-जनार्दन का आदेश मानकर स्वीकार करें। जो जीतें, वे विनम्र रहें। जो हारें, वे ईवीएम, मतदाता और व्यवस्था को दोष देने के बजाय आत्मावलोकन करें।

ट्वीटर टॉक

स्वाधीनता सेनानी व शिक्षाविद महामना पंडित मदनमोहन मालवीय को उनकी पुण्यतिथि पर नमन। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना के माध्यम से संस्कृति व आधुनिक शिक्षा का संगम लानेवाले महामना सामाजिक समरसता के लिए भी आजीवन प्रयत्नशील रहे।

-भजनलाल शर्मा

राजस्थान के माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े के अग्रज श्री अंबादास किसनराव बागड़े के स्वर्गवास का समाचार जानकर बहुत दुख हुआ। दिवंगत आत्मा को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित है। परिवारजनों को इस गहन शोक से उबरने का सामर्थ्य मिले।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

जोधपुर के मंडोर एवं आसपास के इलाकों में गत शाम को आईं तेज धमाके जैसी आवाज से वहां के निवासियों के मन में भय और आशंका की स्थिति बनी। जिला कलेक्टर, जोधपुर से इस संबंध में फोन पर बात की। उन्होंने बताया कि प्रशासन इसके कारणों की जानकारी कर रहा है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

प्रेम का प्रसाद

वृंदावन के संत, माधवदास, पैदल चलकर भगवान जगन्नाथ के दर्शन को निकले। मन में बस प्रभु के दर्शन की आशा थी। जब वे ओडिशा के रेमुणा पहुंचे, तो उन्होंने गोपीनाथ जी का भव्य मंदिर देखा और सोचा, 'आज यहीं दर्शन कर लूं, शायद प्रसाद मिल जाए।' मंदिर में रोज सात कसोरों में खीर चढ़ाई जाती थी, जिसे भक्तों में बांट दिया जाता था। माधवदास भी लाइन में लगे, लेकिन जब उनका नंबर आया, तो खीर खत्म हो चुकी थी। वे बाहर पेड़ के नीचे बैठ गए और बोले, 'प्रभु, आप अन्नदाता हैं, द्वार पर आकर भी भूखे लौटूं? यह आपकी लीला है?' रात को पुजारी को स्वप्न में भगवान गोपीनाथ प्रकट हुए और कहने लगे, 'उठो, मेरा एक भक्त भूखा है, पेड़ के नीचे बैठा है, उसकी खातिर खीर लाओ।' पुजारी ने कहा, 'सारा प्रसाद तो बांट चुका हूं।' भगवान मुस्कुराए, 'सात कसोरों में से एक मैंने मंदिर में रखा है।' पुजारी दौड़ते हुए पहुंचे, और वाकई एक गर्म और ताजा खीर से भरा कसोरा वहां था। वे भावुक होकर खीर लेकर माधवदास के पास गए और बोले, 'प्रभु ने आपके लिए खीर भेजी है।' माधवदास ने आश्चर्य से पूछा, 'खीर तो खत्म हो गई थी, यह कहां से आई?' पुजारी ने कहा, 'आज प्रभु ने खीर चुरा ली थी, आपके प्रेम के लिए।'

सामयिक

आतंकवाद की उभरती व्हाइट कॉलर थ्योरी

अमित बैजनाथ गर्ग

हाल ही में दिल्ली में लाल किले के पास एक कार में हुए ब्लास्ट से देश एक बार फिर हिल गया है। इस ब्लास्ट से पहले फरीदाबाद, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में कई आतंकवादी पकड़े गए थे, जिनसे कई घातक हथियार और गोला-बारूद बरामद हुए। दिल्ली का यह ब्लास्ट भी सोची-समझी और पूर्व नियोजित साजिश थी। इस ब्लास्ट से पहले और बाद में जितने भी लोग पकड़े गए हैं, वे पहले से ही पाक समर्थित आतंकवादी संगठनों से जुड़े हुए हैं। इन संगठनों में जैश भी शामिल है, जिसे पाकिस्तान से वैश्विक आतंकी मसूद अजहर चला रहा है। इस ब्लास्ट के बाद एक बार फिर व्हाइट कॉलर आतंकवाद की थ्योरी सामने आई है। यह थ्योरी आतंकवाद में शामिल बेहद पेशेवर लोगों की पहचान कराती है।

आखिर क्या है व्हाइट कॉलर आतंकवाद? सबसे पहले इसे समझने की कोशिश करते हैं। व्हाइट कॉलर आतंकवाद का मतलब उन लोगों से होता है, जो बेहद पढ़े-लिखे और पेशेवर हैं। इनमें कोई डॉक्टर होता है, तो कोई इंजीनियर या फिर मैनेजमेंट का पेशेवर। कहने को तो ये सब लोग बहुत पढ़े-लिखे, डिग्रीधारक और पेशेवर होते हैं, लेकिन इनका असली काम आतंकवाद फैलाना और आतंकी गतिविधियों में शामिल होना है। दिल्ली ब्लास्ट में अब तक जितने भी आरोपी पकड़े गए हैं, उनमें से अधिकतर डॉक्टर हैं। दिल्ली ब्लास्ट के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जिस आतंकी मॉड्यूल का खुलासा किया है, उससे साफ हुआ है कि देशभर में व्हाइट कॉलर आतंकियों का नेटवर्क बढ़ रहा है। ये लोग शिक्षित होते हैं, अलग-अलग पेशे में होते हैं और आम लोगों के बीच रहकर सामान्य जिंदगी जी रहे होते हैं। असल में व्हाइट कॉलर आतंकियों को सामान्य लोगों से अलग करना मुश्किल होता है। ये आतंकवादी संगठनों की बैकबोन होते हैं। हथियार उठाकर किसी हमले या आतंकी वारदात को अंजाम देने वाले आतंकी जहां सामने होते हैं, वहीं ये व्हाइट कॉलर आतंकी बाकी सारे सपोर्ट सिस्टम का हिस्सा होते हैं। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि टेररिज्म में जो टेरर होता है, वो होते हैं हथियार थामने वाले आतंकी। वहीं इसका जो इज्म है, वह है आतंकियों का पूरा सपोर्ट सिस्टम। इसमें ओवर ग्राउंड वर्कर, आतंकियों के समर्थक और आतंकियों से सहानुभूति रखने वाले लोग भी शामिल होते हैं। व्हाइट कॉलर आतंकी लॉजिस्टिक सपोर्ट देते हैं, जानकारी और संदेश एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाते हैं, फंड जुटाते हैं और पूरे आतंकी संगठन को चलाने में मदद करते हैं। कुल मिलाकर कह सकते हैं कि ये आतंकियों को पीछे से पूरा सपोर्ट देते हैं।

आपको ओसामा बिन लादेन तो याद होगा ही? वही जिसने अल कायदा आतंकी संगठन बनाया और अमेरिका पर हमला किया। ओसामा भी व्हाइट कॉलर आतंकी था। वह इंजीनियरिंग का छात्र था। पढ़ाई पूरी करने के बाद उसने अल कायदा बनाया और अमेरिका पर हमला करके पूरी दुनिया को दहला दिया। ओसामा ने अल कायदा में कई पेशेवर लोगों को शामिल किया। इनमें से कई उच्च शिक्षित थे। कोई डॉक्टर था, कोई इंजीनियर था तो कोई मैनेजमेंट का पेशेवर था। काम सबका एक ही था, आतंकवाद फैलाना। इन पेशेवरों की मदद से उसने पाकिस्तान में बैठकर पूरी दुनिया में आतंकवाद फैलाया। अमेरिका को उसे खोजने और मारने में दस साल का लंबा समय लगा और आखिरकार उसे पाकिस्तान के एबटाबाद में मार गिराया। इन दस सालों में अमेरिका को बहुत पैसा भी खर्च करना पड़ा।अब एक बार फिर बात करते हैं दिल्ली ब्लास्ट की। दिल्ली ब्लास्ट में जितने भी लोग पकड़े गए हैं या फिर आगे पकड़े जाएंगे, उनमें से अधिकतर व्हाइट कॉलर आतंकी होंगे। ये सब उच्च शिक्षित और आतंकवाद में उच्च प्रशिक्षित व्यक्ति हैं। इनके आका पाकिस्तान में बैठे हुए हैं। इन लोगों में इतना जहर भरा है कि ये पढ़े-लिखे होने के बावजूद भी किसी को मारने से परहेज नहीं कर रहे हैं। असल में इनकी मानसिकता पाकिस्तान के प्रति गुलामी की है, जिससे ये आजाद नहीं हो सकते। पहले एक शब्द होता था आतंकवाद, अब उससे आगे का शब्द है व्हाइट कॉलर आतंकवाद। यह सबसे ज्यादा घातक है, क्योंकि इनको पहचानना थोड़ा कठिन है। हालांकि इनकी पहचान करना जरूरी है। नहीं करेंगे तो इनके हौसले बुलंद होंगे, जो देश हित में नहीं है।

देश के पहले सीडीएस बिपिन रावत ने कहा था कि हम ढाई मोर्चों पर लड़ रहे हैं। पहला मोर्चा पाकिस्तान है, दूसरा मोर्चा चीन है। ये दोनों मोर्चे स्पष्ट रूप से दिखलाई देते हैं। आधा मोर्चा देश के भीतर है, जो साफ दिखाई नहीं देता। इस मोर्चे को पहचानने की जरूरत है। इसी मोर्चे में व्हाइट कॉलर आतंकी छिपे हुए हैं, जो आपके और हमारे बीच में ही हैं। इन्हें पहचानिए। अपने आस-पास के माहौल और लोगों पर करीब से नजर रखिए। इनकी हरकतों पर गौर कीजिए। कुछ भी संदिग्ध लगते ही पुलिस, प्रशासन और सरकार को जानकारी दीजिए। पूरी तरह सावधानी बरतिए, ऐसे लोगों को पहचानिए और इनके नकाब उतारिए। देश की मौजूदा राजनीति हर तरह के आतंकी फन को कुचलने के लिए प्रतिबद्ध है। बस! आम आदमी के जागरूक होने और सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की जरूरत है। इसके बाद इस आधे मोर्चे से भी निपट लिया जाएगा। ऐसा आपके और हमारे जीते-जी ही संभव होगा।

मंथन

एग्जिट पोल ने दिए बिहार में एनडीए की वापसी के संकेत

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का माहौल एक बार फिर राजनीतिक तापमान को चरम पर ले आया है। मतगणना से पहले आए एग्जिट पोल नतीजों ने स्पष्ट संकेत दे दिया है कि राज्य में सत्ता की बागडोर एक बार फिर से एनडीए गठबंधन के हाथों में जा सकती है। लगभग सभी प्रमुख सर्वे एजेंसियों ने एनडीए को बहुमत से कहीं अधिक सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया है, जबकि महागठबंधन पिछड़ता हुआ दिख रहा है। यह स्थिति बिहार की राजनीति में एक बार फिर उस निरंतरता को दर्शाती है, जो नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास, सुशासन और स्थिरता के नाम पर वर्षों से कायम है। 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा के लिए इस बार का चुनाव दो चरणों में संपन्न हुआ। दूसरे और अंतिम चरण में मतदान का प्रतिशत 67.14 तक पहुँचा, जो अब तक के इतिहास में सबसे अधिक है। इतनी बड़ी संख्या में जनता का मतदान करना इस बात का प्रमाण है कि बिहार का मतदाता अब राजनीति को लेकर पहले से कहीं अधिक जागरूक, विचारशील और निर्णायक बन चुका है। मतदान के तुरंत बाद जारी हुए सात प्रमुख एग्जिट पोल्स में से लगभग सभी ने एनडीए को 147 से 167 सीटों के बीच पहुँचने का अनुमान दिया है, जबकि महागठबंधन को 70 से 102 सीटों तक सीमित बताया गया है। प्रशांत किशोर की नई पार्टी जन सुराज' को उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन न करते हुए नगण्य सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। इस बार का चुनाव कई मायनों में खास रहा। एक ओर जहाँ एनडीए ने अपने विकास कार्यों, कल्याण योजनाओं और जातिगत समीकरणों को मजबूती से साधे रखा, वहीं दूसरी ओर विपक्ष बेरोजगारी, पलायन और महंगाई जैसे पुराने मुद्दों के सहारे जनसमर्थन जुटाने की कोशिश में लगा रहा। नीतीश कुमार ने अपनी छवि को विकास पुरुष और सुशासन बाबू के रूप में एक बार फिर स्थापित करने की पूरी रणनीति अपनाई। बीजेपी, लोक जनशक्ति पार्टी और हिंदुस्तान अवामी मोर्चा जैसे सहयोगी दलों ने मिलकर पूरे राज्य में एक संगठित अभियान चलाया, जिसका असर मतदान प्रतिशत और जनमत दोनों में दिखाई दिया।

महागठबंधन, जिसके केंद्र में इस बार भी तेजस्वी यादव थे, ने युवाओं को रोजगार देने और पलायन रोकने जैसे वादों पर जोर दिया, परंतु उसका प्रभाव सीमित क्षेत्रों तक ही सिमटा रहा। ग्रामीण इलाकों और युवा मतदाताओं में एनडीए की अपील इस बार कहीं अधिक दिखी। खासकर प्रवासी मतदाता, जिन्होंने कोरोना काल और उसके बाद के आर्थिक संकट का सामना किया था, वे स्थिर शासन और निरंतर विकास की आशा में फिर उसी दिशा में झुकते नजर आए। दूसरी तरफ, प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी, जो शुरुआत में राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनी थी, अंततः आम वोटर के बीच कोई ठोस पहचान नहीं बना सकी। इस चुनाव का एक उल्लेखनीय पहलू यह भी रहा कि प्रशासनिक स्तर पर चुनाव आयोग ने बेहद सख्त और पारदर्शी प्रबंधन किया।

नेपाल सीमा को 72 घंटे तक सील कर देना और सीमावर्ती जिलों में अतिरिक्त बलों की तैनाती ने न केवल मतदान को शांतिपूर्ण बनाया, बल्कि इससे मतदाताओं में सुरक्षा की भावना भी बढ़ी। इसका नतीजा यह हुआ कि लोगों ने उत्साहपूर्वक मतदान किया और लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

एग्जिट पोल्स के रुझानों को देखकर राजनीतिक विश्लेषक यह मानने लगे हैं कि बिहार की जनता ने इस बार भी स्थिर सरकार और विकास की निरंतरता को प्राथमिकता दी है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में पिछले दो दशकों में बिहार ने बुनियादी ढाँचे, सड़क, बिजली, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में जो सुधार देखे हैं, वे अब राज्य की राजनीति की मूल पहचान बन चुके हैं। यही वजह है कि कई मतदाता जातीय समीकरणों से ऊपर उठकर विकास के मुद्दे पर मतदान करते दिखाई दिए। हालांकि यह भी ध्यान देने योग्य है कि एग्जिट पोल्स हमेशा अंतिम सच्चाई नहीं होते। 2020 के विधानसभा चुनावों में भी अधिकतर सर्वे एजेंसियों ने महागठबंधन को बढ़त दी थी, लेकिन अंतिम नतीजों में एनडीए ने सरकार बनाई। इसलिए 14 नवंबर को जब मतगणना होगी, तब ही असली तस्वीर साफ़ होगी। फिर भी, वर्तमान परिदृश्य यह संकेत दे रहा है कि नीतीश कुमार और एनडीए गठबंधन ने अपनी पकड़ अभी भी मजबूत बनाए रखी है। राजनीतिक रूप से यह चुनाव कई शिक्षाएँ भी छोड़ जाएगा। पहली-बिहार में अब सिर्फ जातीय समीकरणों से सत्ता नहीं मिल सकती; जनहित की योजनाएँ और ठोस कामकाज ही निर्णायक साबित हो रहे हैं। दूसरी-युवा और महिला मतदाता अब चुनावी गणित को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं। और तीसरी-नई राजनीतिक पार्टियों के लिए राज्य में जगह बनाना अब पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है, क्योंकि मतदाता अब पर्याप्त अनुभव और स्थिर नेतृत्व की अपेक्षा रखता है।

अगर एग्जिट पोल्स की भविष्यवाणी वास्तविक परिणामों में बदलती है, तो यह न केवल बिहार की राजनीति में एनडीए के एक और दशक के प्रभुत्व की पुष्टि करेगा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी इसके राजनीतिक निहितार्थ होंगे। बिहार के इस जनादेश को एक व्यापक संदेश के रूप में देखा जा सकता है-जनता विकास, स्थिरता और सुशासन को नारेबाज़ी से अधिक महत्व देती है। लोकतंत्र की असली ताकत यही है कि जनता हर बार अपने अनुभव, अपेक्षाओं और विश्वास के आधार पर निर्णय लेती है। बिहार ने इस बार फिर वही किया है-वह राजनीति को नहीं, अपने भविष्य को वोट दे रहा है।

नजरिया

हाईवे के किनारे खड़ी गाड़ियों पर सुप्रीम टिप्पणी

डॉ. आशीष वशिष्ठ

देश भर में नेशनल हाईवे व शहर के अंदर व आउटर में संचालित होटलों, ढाबों के किनारे भारी वाहन चालकों द्वारा यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए रोड पर जहां-तहां वाहनों को खड़ा कर दिया जाता है। सड़क किनारे खड़े ऐसे वाहन अन्य वाहन चालकों और यात्रियों के लिए यमदूत साबित हो रहे हैं। बीती 10 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के फालौदी और तेलंगाना के श्रीकाकुलम के सड़क हादसों में 37 लोगों की मौत पर सुओ मोटो कार्रवाई करते हुए सड़क सुरक्षा की गंभीर खामियों पर चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान हाईवे के किनारे अवैध ढाबों पर भी चिंता जताई। कहा कि इन ढाबों पर आने वालों की गाड़ियां हाईवे पर खड़ी रहती हैं, जिनसे हादसे होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण यानी एनएचएआई और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से सड़क किनारे मौजूद ढाबों और सड़क मेंटेनेंस की स्थिति पर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। जस्टिस जे.के. महेश्वरी और जस्टिस विजय विश्नोई की बेंच ने कहा कि दो सप्ताह के भीतर एक सर्वे कराया जाए, जिससे यह पता चल सके कि कितने ढाबे राजमार्गों के किनारे ऐसे क्षेत्रों में बनाए गए हैं जो इस तरह की सुविधाओं के लिए अधिसूचित नहीं है यानी अवैध ढाबों के बारे में जानकारी देने को कहा गया है। यातायात के नियमों के मुताबिक, हाईवे के किनारे सड़क पर ट्रक व अन्य वाहन खड़े नहीं किए जा सकते हैं।

शीर्ष न्यायालय की टिप्पणी के आलोक में बात की जाए तो इसमें कोई दो राय नहीं है कि विकास के नाम पर हमने सरपट वाहन दौड़ने वाली सड़कें तो बना दी, लेकिन यह सुनिश्चित नहीं किया कि यात्रा दुर्घटनाओं से निरापद कैसे रहे। यह हृदय विदारक होता है कि सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों, ट्रकों की अराजकता तथा राजमार्ग के अवरोधों के चलते परिवार के परिवार असमय काल कवलित हो जाते हैं। जिम्मेदार विभाग और सरकार की चतुराई यह होती है कि वह समस्या के मूल में जाने की बजाय जांच और फौरी कार्रवाई में लग जाता है। इन हादसों की जवाबदेही तय नहीं की जाती। हर हादसे के बाद पुरानी तंत्र पुरानी स्क्रिप्ट को दोहराता है। आमतौर पर किसी भी बड़े हादसे में शिकार हुए यात्रियों की संख्या का ही जिक्र होता है और सरकार मुआवजे की घोषणा करके अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेती है। अधिक से अधिक हमारे विमर्श का मुद्दा यह होता है कि दोषी कौन था? कौन सा ड्राइवर लापरवाही से वाहन चला रहा था, वह नशे में था या उसे नींद की झपकी लग गई। या फिर वाहन में तकनीकी खामी की वजह से हादसा हुआ। लेकिन वास्तव में हम उन तकनीकी व वास्तविक खामियों को नजरअंदाज कर देते हैं जो दुर्घटना का कारण बनती हैं।

एक ओर जहां सड़क निर्माण में ठेकेदार द्वारा की गई चूक होती हैं, वहीं सड़कों के किनारे बेतरतीब बने ढाबे भी होते हैं, जहां अकसर ट्रक चालक अपने वाहन गलत ढंग से खड़े कर देते हैं। लेकिन हर हादसे में कहीं न कहीं ऐसे कारण जरूर होते हैं, जो दुर्घटना की तात्कालिक वजह बनते हैं। लेकिन अक्सर हम उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण कारक को अनदेखा करने की वजह से भविष्य में ऐसी ही दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति होने की आशंका बलवती होती है। भारत में सड़क हादसे एक गंभीर चिंता का विषय हैं, जहां हर साल बड़ी संख्या में लोगों की जान जाती है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 4,80,583 से अधिक दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 1,72,890 से अधिक मौतें हुईं और 4,62,825 लोग घायल हुए। देश में प्रतिदिन लगभग 1,316 हादसे और 474 मौतें होती हैं, यानी हर घंटे लगभग 20 जानें जाती हैं। दुनिया के केवल 1 प्रतिशत वाहन भारत में हैं, लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली वैश्विक मौतों का 11 प्रतिशत हिस्सा यहीं है।

यह विडंबना ही है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर जगह-जगह टोल संग्रह केंद्रों के जरिये टैक्स तो खूब वसूले जाते हैं, लेकिन राजमार्गों को दुर्घटनाओं से निरापद बनाने के लिये गंभीर प्रयास नहीं होते। कुकुरमुत्तों की तरह सड़कों का अतिक्रमण करते ढाबों पर लगाम नहीं लगाई जाती। गंभीरता से पड़ताल नहीं होती है कि क्या सड़क निर्माण में ठेकेदार ने सभी तकनीकी मानकों का पालन किया है? सबसे ज्यादा बड़े वाहन ढाबों पर खड़े नजर आते हैं। रात व दिन में यहां वाहन एक के पीछे एक खड़े रहते हैं। रात के समय तो आलम और भी भयंकर होता है, यहां से निकलने में भी डर बना रहता है। नियमित चेकिंग न होने और चालान न होने की वजह से यहां हादसे का डर बना रहता है। छुटपुट मामले तो आये दिन होते रहते हैं।बरसात के मौसम में इन ढाबों के पास हादसे की अधिक आशंका रहती है। ट्रक मिट्टी में खड़े होकर हाईवे पर आते हैं तो मिट्टी सड़क पर जमा हो जाती है।

बरसात में इस मिट्टी से फिसलकर बाइक सवार हादसे का शिकार हो जाते हैं। इस के अलावा कई बार ट्रकों या अन्य लोडिंग वाहनों में उनकी क्षमता से अधिक माल भरा होता है। मुख्यता लोहे के सरिये, गर्डर आदि जो लोडिंग की लंबाई में न आते हुए पीछे तक निकले रहते हैं। इस तरह के वाहन भी हादसों का कारण बनते हैं।यातायात पुलिस और परिवहन विभाग की ओर से लाखों रुपये रुपये प्रचार-प्रसार पर बहाया जाता है। इसके बावजूद सड़क सुरक्षा के नियम निर्देश कहीं भी धरातल पर देखने को नहीं मिलते हैं। गोष्ठियों और सेमिनारों में तो वाहन चालकों को नियमों का पाठ पढ़ाया जा जाता है लेकिन हाईवे ट्रक, डीसीएम, कंटेनर या अन्य वाहन चालकों को समझाने वाला कोई नहीं है। देश में सैकड़ों लोगों की मौत सड़क के किनारे गलत तरीके से खड़े ट्रक से वाहनों के टकराने से होती है, लेकिन दोषी ट्रक चालक को कड़ी सजा नहीं मिलती। वहीं दूसरी ओर वाहन चालकों को भी गति सीमा में रहने तथा अन्य सावधानियों का सख्ती से पालन करना चाहिए। सरकारों का दायित्व भी बनता है कि राजमार्गों पर रफ्तार की सीमा के नियमन के साथ बाधामुक्त सफर भी सुनिश्चित करें।

निश्चित रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की जवाबदेही बनती है कि राजमार्गों को दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये नियमित जांच-पड़ताल की जाती रहे। ताकि निर्दोष लोगों के बेमौत मरने का सिलसिला खत्म हो सके। इन विभागों व मंत्रालयों का जिम्मा सिर्फ टोल वसूलना ही नहीं है बल्कि सड़कों को सुरक्षित बनाना भी इनकी जवाबदेही है। निश्चित रूप से सड़क के निर्माण की गुणवत्ता तथा उसे दुर्घटना मुक्त बनाने के लिये उच्च सुरक्षा मानकों का क्रियान्वयन भी उतना जरूरी है। इसके अलावा सख्त कानून व निगरानी के जरिये ट्रकों व भारी वाहनों को सड़क के किनारे खड़े करने पर रोक लगायी जाए। भारत में हर साल हजारों सड़क हादसे होते हैं. ज्यादातर में लापरवाही जिम्मेदार होती है. सुप्रीम कोर्ट का ये कदम सरकार और अधिकारियों पर दबाव डालेगा। इससे हाईवे सुरक्षित होंगे, ढाबे नियंत्रित जगह पर चलेंगे और ट्रक पार्किंग के लिए अलग जगह बनेगी। आम जनता की जान बचाने के लिए ये बड़ा फैसला साबित हो सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अनुष्ठान

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, सांसद प्रवीण खंडेलवाल और चांदनी चौक से विधायक उम्मीदवार सुमन कुमार गुप्ता, पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बुधवार को नई दिल्ली के चांदनी चौक में दिल्ली भाजपा चुनाव कार्यालय के उद्घाटन के दौरान अनुष्ठान करते हुए।

ब्रीच कैंडी अस्पताल से डिस्चार्ज हुए धर्मेंद्र, फैंस ने लंबी उम्र के लिए की प्रार्थना

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र कई दिनों से बीमार थे और ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती थे। बुधवार को उन्हें डॉक्टर्स ने अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया, जिसके बाद उनके घर के बाहर प्रशंसकों का तांता लगा हुआ है और कई लोग उनके स्वास्थ्य की लंबी कामना कर रहे हैं। अभिनेता की लोकप्रियता आज भी वैसे ही कायम है। बुधवार को उनके घर के बाहर प्रशंसकों ने इस बात को प्रमाणित भी कर दिया, जब उनके डिस्चार्ज होने के बाद फैंस की बड़ी भीड़ देखी गई। सत्यवान नाम के एक प्रशंसक ने आईएएनएस से बातचीत की और बताया, मेरा नाम सत्यवान है और मैं महाराष्ट्र का रहने वाला एक रिक्शा चालक हूं। मुझे जैसे ही इस बात की जानकारी प्राप्त हुई कि धर्मेंद्र ठीक होकर अपने घर पर आ गए हैं, तो मुझसे रहा नहीं गया और मैं तुरंत यहां पर अपना रिक्शा लेकर पहुंच गया। सत्यवान ने बताया कि वे और उनके दोस्त बचपन से धर्मेंद्र की फिल्में देखते आए हैं, जिससे वे उनसे एक गहरा लगाव महसूस करते हैं। उन्होंने कहा, उनकी पर्सनैलिटी इतनी लाजवाब है कि अचानक उनकी तबीयत के बारे में ऐसी खबर सुनना बेहद दर्दनाक है। वे इस उम्र में भी अभी तक स्विमिंग करते थे और अभी तक अच्छे थे। हम चाहते हैं कि उनकी उम्र बहुत लंबी हो। मैं उनके लिए भगवान से प्रार्थना कर रहा हूं कि वे जल्द ही ठीक हो जाएं। मैंने उनके लिए बोर्ड भी बनाया है और उसमें लिखा है कि वे जल्द ही ठीक हो जाएं।

उन्होंने आगे कहा, उनकी फिल्में आती रहें और वे देश-विदेश में उससे लोगों का दिल जीतते रहें। मैं आज तक धर्म जी से मिला नहीं हूं और उनके ठीक होने की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से मिली थी। मैं आज आईएएनएस के माध्यम से उनसे कहना चाहूंगा कि वे बहुत अच्छा काम करते हैं और वे जल्द ही पूरी तरह से ठीक हो जाएं। एक और फैन ने कहा, समाचार के माध्यम से उनके ठीक होने की जानकारी मिली थी, तो हमने सोचा यहां आकर देखें तो कुछ तो पता चलेगा। वैसे भी एक्टर लोग कहां दिखाई देते हैं? लेकिन धर्मेंद्र जी कई बार देखने को मिले हैं। अगर उनसे एक बार मिलने का मौका मिले तो जरूर मिलना चाहेंगे। मैंने उनकी सारी फिल्में देखी हैं। उनकी तबीयत की खबर सुनकर दिल को बहुत बुरा लगा और वे तो दिलीप कुमार के अच्छे दोस्त थे। मैंने दिलीप कुमार की भी कई सारी फिल्में देखी हैं।

म्यामांर सेना को रूस और चीन से हेलीकॉप्टर और विमान मिले

बैंकाक। म्यामां ने कहा है कि उसने अपनी वायुसेना में रूसी हेलीकॉप्टरों और चीनी विमानों को शामिल किया है। म्यामांर में खूनी गृहयुद्ध की समाप्ति को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद दोनों देश अब भी सैन्य सरकार को उपकरणों की आपूर्ति कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ और अन्य देशों ने म्यामां पर प्रतिबंध लगा रखे हैं, जिनमें हथियारों की बिक्री पर रोक भी शामिल है। हालांकि रूस और चीन लगातार म्यामां की सेना को करोड़ों डॉलर के उपकरण उपलब्ध करा रहे हैं। सेना द्वारा उपलब्ध कराई गई तस्वीरों से पता चलता है कि उन्हें तीन रूसी एमआई-38टी हेलीकॉप्टर और दो चीनी वाई-8 विमान प्राप्त हुए हैं, जिनके बारे में विशेषज्ञों ने कहा कि इनका उपयोग संभवतः पहाड़ी क्षेत्रों में जंग के लिए सैनिकों को लाने के लिए किया जाएगा। सेना ने राजधानी ने पी ता में सात नवंबर को विमान को सेना में शामिल करने के अवसर पर जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि यह परिवहन विमान म्यामांर की हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर सेना को मजबूती प्रदान करेगा। म्यामांर की सत्तारूढ़ सैन्य सरकार के प्रमुख वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने एक बयान में कहा, वर्तमान अंतरराष्ट्रीय संघर्ष और आंतरिक स्थिति स्पष्ट रूप से सभी प्रकार के विमानों की आवश्यक भूमिका की ओर इशारा करती है। विश्लेषक मॉर्गन माइकल्स ने कहा, नए हेलीकॉप्टरों और विमानों की आपूर्ति से पता चलता है कि म्यामां की सेना आर्थिक और कूटनीतिक दबावों के बावजूद महत्वपूर्ण उपकरण हासिल करना जारी रखे हुए है।

फिल्म 'पेड्डी' के गाने चिकिरी चिकिरी की सफलता के बाद सिनेमैटोग्राफर्स रथनवेलू ने जाहिर की खुशी

मुंबई/एजेन्सी

चिकिरी चिकिरी गाने को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। सिर्फ 24 घंटे में इसे 46 मिलियन व्यूज़ मिले, जिससे यह साल के सबसे ज्यादा देखे और पसंद किए जाने वाले गानों में शामिल हो गया है! राम चरण की आने वाली फिल्म पेड्डी को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है, और इसके पहले गाने चिकिरी चिकिरी ने तो मानो इंटरनेट पर धमाका ही कर दिया। यह गाना सिर्फ ट्रेंड नहीं हुआ, बल्कि रिलीज़ के 24 घंटे के अंदर ही 46 मिलियन व्यूज़ हासिल कर लिया और साल के सबसे ज़्यादा देखे और पसंद किए गए गानों में शामिल हो गया। असली जादू तब देखने को मिला जब यह ट्रैक हैदराबाद में ए. आर. रहमान के कॉन्सर्ट में लाइव परफॉर्म किया गया। जैसे-जैसे गाने को हर तरफ से प्यार मिल रहा है, सिनेमैटोग्राफर रथनवेलू इस प्रतिक्रिया से बेहद खुश और भावुक हैं। भारत के शीर्ष सिनेमैटोग्राफर्स में से एक रथनवेलू, जिन्होंने पेड्डी के हाल ही में रिलीज़ हुए गाने चिकिरी चिकिरी के शानदार विजुअल्स तैयार किए हैं, उन्होंने अब एक भावनात्मक पोस्ट लिखकर फैन्स और दर्शकों के प्यार और सराहना के लिए आभार जताया है। सोशल मीडिया पर उन्होंने गाने की कुछ झलकियां शेयर करते हुए लिखा आप सभी के प्यार और सराहना से मैं सच में बहुत भावुक और विनम्र महसूस कर रहा हूं। उहळझ्ळीळउहळझ्ळीळ और उसके विजुअल्स को इतने प्यार से अपनाने के लिए हर एक का दिल से शुक्रिया। आपका समर्थन मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

मशहूर संगीतकार ए.आर. रहमान द्वारा बनाए गए इस गाने में मिट्टी से जुड़ी धुनों को दिल छू लेने वाली मेलोडी के साथ मिलाया गया है, जो फिल्म की जमीनी कहानी से बिल्कुल मेल खाती है। चिकिरी के गाने में गायकी, डांस और इसके विजुअल्स को उनकी ताजगी और सांस्कृतिक जुड़ाव के लिए खूब सराहा जा रहा है।चिकिरी की सफलता को फिल्म की जबरदस्त अपील और बढ़ती उत्सुकता का मजबूत संकेत माना जा रहा है। अब जब उम्मीदें पहले से कहीं ज्यादा हैं, पेड्डी को इस साल की सबसे रोमांचक फिल्मों में से एक कहा जा रहा है।उप्पेना' के डायरेक्टर बुची बाबू सना द्वारा बनाई जा रही 'पेड्डी' एक देहाती और भावनात्मक कहानी बताई जा रही है। इस फिल्म में राम चरण का अब तक का सबसे गहरा और दमदार किरदार देखने को मिलेगा। फिल्म अपने बड़े पैमाने, शानदार कलाकारों और ए.आर. रहमान के संगीत की वजह से पहले ही जबरदस्त चर्चा में है। बुची बाबू सना द्वारा लिखी और निर्देशित 'पेड्डी' में राम चरण मुख्य किरदार में नजर आएंगे। उनके साथ फिल्म में शिवा राजकुमार, जान्हवी कपूर, दिव्येंदु शर्मा और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में हैं। वेंकटा सतीश किलारू द्वारा निर्मित यह फिल्म 27 मार्च 2026 को रिलीज़ होने वाली है।

चीन 2030 तक चंद्रमा पर मानव भेजने की तैयारी में : यह क्यों है अहम?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कैम्ब्रिज। मानव ने चंद्रमा पर अंतिम बार कदम रखे थे 50 साल से अधिक समय पहले, लेकिन चीन अब धीरे-धीरे अपने अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर भेजने की तैयारी कर रहा है। 30 अक्टूबर, 2025 को चीन के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम के एक प्रवक्ता ने कहा कि देश 2030 तक चंद्र मिशन शुरू करने की योजना के अनुसार प्रगति पर है।

अमेरिकी अंतरिक्ष अधिकारियों और विशेषज्ञों में चीन के मानव चंद्र मिशन को लेकर चिंता है। कुछ का मानना है कि यदि चीन नासा के आर्टेमिस तीन मिशन (जो 2027 में निर्धारित है, लेकिन इसमें देरी हो सकती है) से पहले चंद्रमा पर पहुंचता है, तो यह अमेरिका की अंतरिक्ष शक्ति को चुनौती दे सकता है। चीन का चंद्रमा तक का सफर तेज रहा है। 2003 में पहले अंतरिक्ष यात्री यांग लीवेई के बाद से चीन ने बहु-सदस्य मिशन और तियानगोंग अंतरिक्ष स्टेशन बनाया। 2030 तक, जब अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) सेवानिवृत्त हो जाएगा, तब चीन अकेला देश होगा जिसके पास पृथ्वी की कक्षा में स्थायी अंतरिक्ष स्टेशन होगा। अंतरिक्ष यान शोनझोऊ 21 ने 31 अक्टूबर, 2025 को तीन अंतरिक्ष यात्रियों को तियानगोंग अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजा। चीन ने 20 से अधिक 'लाँग मार्च' रॉकेट विकसित किए हैं, जिनमें 16 सक्रिय हैं और इनकी सफलता दर 97 फीसदी है। नया लाँग मार्च 10 रॉकेट चंद्र मिशन के लिए तैयार किया जा रहा है। अंतरिक्ष यान की बात करें तो नई पीढ़ी का मेंगझोऊ क्रू कैप्सूल छह अंतरिक्ष यात्रियों को ले जा सकेगा और इसे पृथ्वी की कक्षा या गहरे अंतरिक्ष मिशन के लिए अनुकूलित किया जा सकता है। इसकी मानव रहित पहली उड़ान 2026 में होने की योजना है।

चंद्र लैंडर लैनयुई का भी डिजाइन तैयार है। इसके दो हिस्से हैं। पहला है लैंडिंग स्टेज जो इसके यात्रियों के लिए है और दूसरा प्रोपल्शन स्टेज लैंडिंग के लिए ईंधन के वास्ते है। करीब 26 टन वजन वाले इस लैंडर की क्षमता दो अंतरिक्ष यात्रियों की है। चीन के अंतरिक्ष कार्यक्रम के अनुसार, रोबोटिक प्रोटोटाइप का 20272028 में परीक्षण किया जाना है और 20282029 में मानव रहित मिशन तथा 2030 में पूर्ण मानव चंद्र मिशन रवाना होगा। चीन ने चंद्रमा की सतह पर आंदोलन के लिए डिजाइन किए गए 'स्पेस सूट' को 2024 में चोंगकिंग में प्रदर्शित किया था। चीन का चांग'ई-6 मिशन 2024 में रवाना हुआ। यह एक रोबोटिक मिशन था जो चंद्रमा से नमूने ले कर आया और चीन की तकनीकी क्षमता को दिखाया। चीन का सफल चंद्र मिशन केवल प्रतीकात्मक नहीं होगा। इससे चीन चंद्रमा के अन्वेषण के नियम, अनुसंधान एजेंडा और अंतरिक्ष भू-राजनीति में प्रभाव बना सकेगा। पूर्व नासा सहायक प्रशासक माइक गोल्ड ने कहा, जो देश पहले वहां पहुंचेंगे, वे चंद्रमा पर गतिविधियों के नियम बनाएंगे।

प्रभास ने खत्म की 'द राजा साब' की शूटिंग, डायरेक्टर मारुति ने शेयर किया एक धांसू नया लुक

मुंबई/एजेन्सी

साउथ सुपरस्टार प्रभास ने अपनी आने वाली हॉरर-फैंटेसी फिल्म द राजा साब की शूटिंग पूरी कर ली है। ये उनके 23 साल लंबे फिल्मी सफर का एक और बड़ा माइलस्टोन है। इस खास मौके पर डायरेक्टर मारुति ने फिल्म का एक धमाकेदार पोस्टर शेयर किया और इसे बताया एक विजयी सफर।पोस्टर में प्रभास रेड-एंड-ब्लैक आउटफिट में नजर आ रहे हैं लंबे बाल, सनग्लासेस, और मुंह में सिगार लिए हुए एकदम ड्डरस जींशीश्रेरव! फैन्स तो बस इस नए लुक पर फिदा हो गए हैं। कुछ वक्त पहले फिल्म की टीम ने ग्रीस में गानों की शूटिंग की थी, जिससे फिल्म में विजुअल्स का तड़का और बढ़ गया।

मारुति ने लिखा, 23 साल पहले उसने सिनेमा में पहला कदम रखा था, आज उसी दिन 'द राजा साब' की शूटिंग खत्म की उसके इस विजयी सफर का हिस्सा बनना मेरे लिए सौभाग्य है पक्का बोलता हूं, द राजा साब एक अलग ही एनर्जी लेकर आने वाली है हम जानते हैं आप सबका प्यार और बेसब्री और वादा करते हैं, देंगे सिर्फ और सिर्फ बेस्ट!हमारे ठशलशश्र त्रेव के भक्तों के लिए अभी और सेलिब्रेशन बाकी है

फिल्म का ट्रेलर पहले ही सोशल मीडिया पर धूम मचा चुका है। दर्शक प्रभास के मल्टीपल लुक्स और फिल्म के हटके एंटरटेनमेंट मिक्स की खूब तारीफ कर रहे हैं। द राजा साब का निर्देशन और लेखन मारुति ने किया है। इसे पीपल मीडिया फ़ैक्टरी और आईवीवाई एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल, ऋद्धि कुमार, संजय दत्त और बोमन ईरानी भी नजर आएंगे। फिल्म 9 जनवरी 2026 को दुनियाभर में हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज़ होगी।

मुलाकात

उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त), देहरादून के राजभवन में महिला वनडे विश्व कप विजेता टीम की सदस्य स्नेह राणा से मुलाकात करते हुए।

प्रार्थना

वियतनाम बौद्ध संघ के सदस्य बुधवार को बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर में विश्व शांति के लिए प्रार्थना करते हुए।

'ये गैर जिम्मेदाराना और माफी के लायक नहीं', धर्मेंद्र के निधन की खबरों पर हेमा मालिनी ने जताया गुस्सा

नई दिल्ली/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा के वरिष्ठ अभिनेता धर्मेंद्र देओल खराब तबीयत के चलते मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती हैं, जहां डॉक्टर्स की निगरानी में उनका इलाज किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर लगातार एक्टर के निधन की खबरें सामने आ रही हैं, लेकिन ईशा देओल ने इसका खंडन किया है। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र की तबीयत स्थिर है, अब हेमा मालिनी ने निधन की खबरों पर दुख जताया है और कहा है कि ऐसी खबरें अपमानजनक और गैर जिम्मेदाराना हैं। हेमा मालिनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर धर्मेंद्र के निधन की खबरों पर गुस्सा जाहिर किया है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, जो हो रहा है वो माफी के लायक नहीं है! जिम्मेदार चैनल ऐसे व्यक्ति के बारे में झूठी खबर कैसे फैला सकते हैं जिसका इलाज चल रहा है और वह ठीक हो रहा है? यह बेहद अपमानजनक और गैरज़िम्मेदाराना है। कृपया परिवार और उनकी निजता की जरूरत का पूरा सम्मान करें।

यूजर्स भी हेमा के पोस्ट पर गैर जिम्मेदाराना हरकत करने वालों को कोर्ट में घसीटने की नसीहत दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, कल्पना कीजिए, उनका पूरा परिवार अस्पताल में वहां उन्हें सपोर्ट कर रहा है और बाहर उनकी निधन की खबरों पर स्पष्टीकरण देना पड़ रहा है। कितनी शर्मनाक बात है ये।इससे पहले ईशा देओल ने अपने पिता की हेल्थ अपडेट को फैंस के साथ शेयर किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, मीडिया इस मामले पर ज्यादा ही सक्रिय चल रही है और गलत खबरें फैला रही है। मेरे पिता स्टेबल हैं और अच्छे से रिकवर कर रहे हैं। मेरी आप सभी लोगों से रिक्वेस्ट है कि वे हमारे परिवार की निजता का सम्मान करें। पापा की तेज रिकवरी के लिए दुआ करें।बता दें कि सोशल मीडिया पर कई बड़े राजनेता और बॉलीवुड स्टार्स ने भी निधन की खबर की पुष्टि करते हुए श्रद्धांजलि तक अर्पित कर दी थी, हालांकि धर्मेंद्र बिल्कुल ठीक हैं और अच्छे से रिकवर कर रहे हैं। खबर सामने आते ही एक्टर के चाहने वालों के बीच खुशी की लहर दौड़ पड़ी है।

उत्साहवर्धन

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव सिवनी मध्य प्रदेश में 'लाडली बहना योजना' कार्यक्रम के दौरान एक कलाकार का उत्साहवर्धन करते हुए।

कुब्रा सैत ने संभाली नारीवाद की कमान, 'लव लिंगो' सीजन-2 में बनीं पहली मेहमान

मुंबई/एजेन्सी

अपने बेबाक विचारों और निडर आवाज़ के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री कुब्रा सैत हाल ही में 'लव लिंगो' सीज़न 2 के पहले एपिसोड में मुख्य अतिथि बनीं नज़र आईं, जहाँ उन्होंने महिलाओं की पहचान, आत्म-स्वीकार और समाज के तयशुदा लेबल्स से परे जीने के मायनों पर खुलकर बात की। गौरतलब है कि जस सगू और अर्सला कुरैशी द्वारा होस्ट किया गया यह नया सीज़न प्रेम, भाषा और संस्कृति के गहरे रिश्ते को आगे बढ़ाता है, और अब कुब्रा की ईमानदार बातचीत ने शो के टोन को एक मजबूत दिशा दी है। कुब्रा कहती हैं, अच्छी लड़कियाँ लड़कों से बात नहीं करतीं, अच्छी लड़कियाँ लिपस्टिक नहीं लगातीं, अच्छी लड़कियाँ बस सुनती हैं, बचपन में मैंने कहीं यह पंक्तियां पढ़ी थी। लेकिन अब मेरी ज़िंदगी में इनमें से कुछ भी नहीं है। मैं किसी तय कैलेंडर या नियमों के हिसाब से नहीं जीती और न जी सकती हूँ। कब शादी करनी है या कब खुश रहना है, ये मैं तय करूँगी। मैंने 30 साल की उम्र में तैरना सीखा, खुले समुद्र में गोता लगाया और मेरे लिए यही असली आज़ादी का एहसास है। पिछले सीज़न में दीपिका पादुकोण के प्रभावशाली विचारों की तरह, कुब्रा भी इस बार जेंडर आधारित उम्मीदों पर बातचीत को आगे बढ़ाती नज़र आई हैं और महिलाओं को अपने जीवन के मायने खुद तय करने का आमंत्रण देती हैं। बातचीत के दौरान अर्सला कुरैशी ने कुब्रा के चर्चित सीरीज़ सैक्रेड गेम्स से उनके चर्चित किरदार कुकू को याद किया, जिसने पर्दे पर एक जेंडर विशेष का प्रतिनिधित्व किया था। अर्सला ने कहा, कोई मुंबई इस सोच के साथ नहीं आता कि मैं ट्रांसजेंडर का किरदार निभाकर मशहूर हो जाऊँगी, लेकिन आपने वो किया और ट्रांसजेंडर समुदाय को यह यकीन दिलाया कि वे जैसे हैं, वैसे ही रहकर भी दुनिया का प्यार पा सकते हैं।

क्वींसलैंड में ऑस्ट्रेलिया के 5.5 करोड़ साल पुराने मगरमच्छ के अंडे के खोल मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी। दक्षिण-पूर्व क्वींसलैंड में ब्रिस्बेन से लगभग 250 किलोमीटर दूर मुरगॉन नामक छोटा शहर स्थित है। देश की यह बस्ती लगभग 2,000 लोगों की आबादी का घर है और दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण जीवाश्म स्थलों में से एक मानी जाती है। पिछले कुछ दशकों में जीवाश्म वैज्ञानिकों ने मिट्टी के भीतर 5.5 करोड़ साल पुराने कई महत्वपूर्ण अवशेष खोजे हैं। इनमें दुनिया के सबसे पुराने, गाने वाले पक्षियों के जीवाश्म, ऑस्ट्रेलिया में पाए गए केवल ज्ञात सैलामेंडर के जीवाश्म और ऑस्ट्रेलिया के सबसे पुराने मार्सुपियल जीवाश्म शामिल हैं। हाल ही में 'जर्नल ऑफ वर्टिब्रेट पैलेन्टोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन में शोधकर्ताओं ने ऑस्ट्रेलिया में अब तक के सबसे पुराने मगरमच्छ के अंडे के खोल खोजने की जानकारी दी है।

अंडे के ये खोल अब एक नए प्रकार के अंडे की पहचान के लिए आधार बन गए हैं, जिसे 'वक्काऊलिथस गॉडथेल्पी' नाम दिया गया है। ये अब विलुप्त हो चुके मेकोसुकाइन मगरमच्छ समूह के सबसे पुराने ज्ञात सदस्य से संबंधित हैं। यह खोज उनके विकास और उन जंगल-पथ वाले दलदली क्षेत्रों की जानकारी देती है जिनमें वे रहते थे।

मेकोसुकाइन ऑस्ट्रेलिया का अद्वितीय मगरमच्छ परिवार था। ये 5.5 करोड़ साल पहले महाद्वीप के अंदरूनी जल क्षेत्रों में बहुतायत में पाए जाते थे। ये आधुनिक ऑस्ट्रेलियाई, खारे पानी और मीठे पानी के मगरमच्छों से अलग, पुरानी विकास शाखा का हिस्सा थे। 1980 के दशक से क्वीन्सलैंड के मुरगॉन और रिवरस्लीज वर्ल्ड हैरिटेज एरिया तथा उत्तरी भूभाग के अलकूटा में जीवाश्म खोजें हुईं, जिनसे अब दस विलुप्त प्रजातियों की पहचान हुई है। इनमें कुनिकाना जैसे बड़े जमीन पर शिकार करने वाले मगरमच्छ और ट्रिलोफोसकस जैसे छोटे पेड़ पर चढ़ने वाले मगरमच्छ शामिल हैं। नए अध्ययन में प्राचीन कंबारा प्रजाति के मेकोसुकाइन के अंडे के खोलों का विश्लेषण किया गया। मेकोसुकाइन दो मीटर तक लंबे होते थे और भोजन के लिए मछली और सॉफ्टशेल कछुए पर निर्भर थे।

'यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स' के शोधकर्ताओं ने मुरगॉन में अंडे के खोल के टुकड़े खोजे। बार्सिलोना विश्वविद्यालय के जेवियर पी आई ब्लास ने उच्च-रिज़ॉल्यूशन माइक्रोस्कोपी से खोल की संरचना का अध्ययन किया। दिलचस्प बात यह है कि 5.5 करोड़ साल बाद भी कंबारा के अंडे के खोल की अनोखी माइक्रो-संरचना संरक्षित है, जो आधुनिक मगरमच्छ और एलिगेटर से भिन्न है। यह अध्ययन मेकोसुकाइन के विकास और उनके वैश्विक स्थान को लेकर नई जानकारी दे सकता है।

अंडे के खोल से उस समय के पर्यावरण की जानकारी मिलती है। कंबारा के अंडे में जीवाणुजन्य क्षय के संकेत कम हैं, जिससे लगता है कि मुरगॉन के दलदली क्षेत्र कभी-कभी शुष्क रहे होंगे।

भूखे को भोजन कराना ही प्रभु की सर्वोत्तम भक्ति : डॉ वरुणमुनि

नवकार मंत्र का अखंड जाप आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर जैन स्थानक में विराजित डॉ वरुणमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि सुख प्राप्ति का प्रथम सोपान है अन्नदान। नर सेवा ही नारायण सेवा है और जन सेवा ही जिनेंद्र भगवान की सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि संसार का प्रत्येक व्यक्ति सुख पाना चाहता है और प्रभु महावीर ने सुख प्राप्ति के नौ उपाय बताए हैं, जिनमें प्रथम उपाय अन्न का दान है।

लोग मंदिरों में जल, फल, नैवेद्य, छप्पन भोग आदि चढ़ाते हैं, जो श्रद्धा का विषय है, किंतु यदि कोई भूखे को भोजन तथा प्यासे को जल पिलाता है, तो यह भेंट निश्चय ही प्रभु तक अवश्य पहुँचती है। संतश्री ने समाज में व्याप्त प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम देखते हैं कि विवाह, धार्मिक समारोहों और मृत्यु भोजों में बड़े-बड़े भंडारे और प्रसादी के आयोजन किए जाते हैं, परंतु जब किसी भूखे को भोजन कराने की बात आती है, तो व्यक्ति कई बार सोचता है। जैसे समुद्र में वर्षा का कोई विशेष महत्व नहीं, वैसे ही जो पहले से ही सम्पन्न हैं, उन्हें भोजन कराना केवल औपचारिकता है। जबकि असली पुण्य तो उस भूखे व्यक्ति को भोजन कराने में है जो रात्रि को भूखा सो जाता है।

उन्होंने कहा कि मेरे आराध्य गुरुदेव प्रवर्तक श्री अमर मुनि जी महाराज कहा करते थे कि मेरे जीवन का लक्ष्य है दुनिया में कोई भी व्यक्ति रात्रि को भूखा न सोए। इसी भाव से उन्होंने उत्तर भारत के विभिन्न प्रांतों दिल्ली, हरियाणा, पंजाब आदि में अन्नदान सेवा की प्रेरणा दी। इसी सद्प्रेरणा से वर्ष 2024 के चातुर्मास में राजाजीनगर श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ द्वारा अन्नप्रसाद सेवा कार्य शुरू किया गया था जो आज भी निरंतर गतिमान है।

बुधवार को संघ के अध्यक्ष प्रकाश चाणोदिया सहित अन्य पदाधिकारियों ने सेवा कार्य को गति प्रदान की तथा अन्नदान किया। ज्ञमुनि रूपेश जी ने सभी दानदाता परिवारों को साधुवाद देते हुए कहा कि आपका योगदान जनसेवा के इस यज्ञ को सतत आगे बढ़ा रहा है।

राजेन्द्र नवयुवक एवं महिला परिषद ने कृत्रिम अंग वितरित किए

आचार्यश्री जयंतसेनसूरी के जन्मोत्सव पर की मानवसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के मरूधर शांति भवन में अखिल भारतीय राजेन्द्र जैन नवयुवक एवं महिला परिषद ने परिषद के प्रेरणास्रोत राष्ट्रसंत आचार्य जयंतसेनसूरीजी का 90वां जन्मोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वी मोक्षमालाश्रीजी ने मांगलिक से किया। साध्वीजी ने आचार्यश्री को याद करते हुए उनके गुणों का गान किया।

परिषद के संजय सेठ, मनीष जैन एवं महिला परिषद के मिंटू जैन ने भी आचार्यश्री के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। इस अवसर कार्यक्रम के चेयरमैन नीलेश जैन ने परिषद की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आचार्यश्री के जन्मोत्सव के मौके पर अनेक दिव्यांगों को कृत्रिम अंग भेंट किए। इसके साथ ही हुब्बल्ली के चार मंदिरों के ध्वजारोहण के लाभार्थियों का सम्मान किया गया। परिषद के अध्यक्ष शैलेश जैन ने सबको धन्यवाद दिया।

नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 260 लोगों ने करवाई आंखों की जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के बन्नूर गांव में स्थित रोटरी स्कूल में कोयम्बटूर के अरविंद नेत्र चिकित्सालय के डॉ. साईं तेजा, डॉ. चंद्रावदन, शिविर संयोजक विजयगंथ बी. के निर्देशन में गवरीदेवी-कानसिंह राजपुरोहित की ओर से नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मैसूरु, मंड्या व बेंगलूरु जिले के आसपास के गांवों के 260 लोगों ने आंखों की जांच करवाई।

जांच के बाद 70 लोगों की आंखों में मोतियाबिंद पाया गया तथा उन्हें आंखों के ऑपरेशन हेतु अरविंद नेत्र चिकित्सालय कोयंबटूर ले जाया गया। सभी मरीज अपनी आंखों का ऑपरेशन करवा कर पुनः बन्नूर लौटे।

शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के चामराजपेट स्थित जिंके उद्यान में क्षेत्र के नागरिकों द्वारा कर्नाटक राज्य उत्सव के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में युवाएं ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए महेन्द्र मुणोत ने उन्हें प्रमाण पत्र वितरित किए तथा उनकी रक्तदान की भावना की सराहना की।

भाजपा कर्नाटक विकास विरोधी पार्टी है : डीके शिवकुमार

नितिन गडकरी ने बेंगलूरु सुरंग परियोजना की प्रशंसा की

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को विपक्षी भाजपा पर निशाना साधते हुए उसे कर्नाटक के विकास विरोधी पार्टी बताया। विधानसभा में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बेंगलूरु में सुरंग परियोजना की प्रशंसा की है। बेंगलूरु की भौगोलिक स्थिति चट्टानी है, इसलिए हमने पहले भूमिगत मेट्रो लाइन बनाने का फैसला किया था। जब मेट्रो बनी थी, तब किसी ने सुरंगों के खिलाफ नहीं बोला था। सुरंग सड़क परियोजना आने वाली पीढ़ियों के लिए है। सुरंग परियोजना के लिए निविदा प्रक्रिया कुछ दिनों में समाप्त हो जाएगी और हमें पता चल जाएगा कि कितने लोगों ने बोली लगाई है।

सुरंग परियोजना के बारे में पूछे जाने पर, उपमुख्यमंत्री कहा, यह शहर के युवाओं का ड्रीम प्रोजेक्ट है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस पर सुझाव दिए हैं। पुणे और मुंबई में सुरंग परियोजनाएँ हैं, लेकिन बेंगलूरु में सुरंग परियोजना का विरोध हो रहा है। बेंगलूरु के सभी विधायक सुरंग परियोजना पर सहमत थे, लेकिन अब वे इसका विरोध कर रहे हैं। हम सुझावों के लिए तैयार हैं।

कैंसर चिकित्सा में 'आईओईआरटी' थेरेपी एक कारगार विकिरण पद्धति है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विश्व स्तरीय ऑन्कोलॉजी देखभाल प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को मज़बूत करते हुए 'एस्टर व्हाइटफील्ड अस्पताल' ने 140 से अधिक इंट्राऑपरेटिव इलेक्ट्रॉन रेडिएशन थेरेपी(आईओईआरटी) प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पूरा करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। गत वर्ष एस्टर व्हाइटफील्ड ने यह नई तकनीक लागू की थीं और कैंसर देखभाल के लिए एक अभूतपूर्व थेरेपी लागू करने वाला भारत का पहला अस्पताल बन गया था। यह अभी भी भारत का एकमात्र ऐसा अस्पताल है जो आईओईआरटी थेरेपी प्रदान करता है, जो एक अत्यधिक उन्नत इंट्राऑपरेटिव रेडिएशन तकनीक है जो परिशुद्धता बढ़ाती है, स्वस्थ ऊतकों की रक्षा करती है और कैंसर रोगियों के लिए उपचार की अवधि को कम करती है। रेडियोथेरेपी का एक अभिनव रूप है आईओईआरटी जिसमें सर्जरी के दौरान ट्यूमर वाली जगह पर सीधे केंद्रित विकिरण पहुँचाता है, जिससे ऑपरेशन के बाद कई विकिरण सत्रों की आवश्यकता कम हो जाती है और आसपास के स्वस्थ ऊतकों को अनावश्यक विकिरण से बचाया जा सकता है। ट्यूमर हटाने के तुरंत बाद शेष सूक्ष्म कैंसर कोशिकाओं को लक्षित करके, यह थेरेपी न केवल सफल उपचार की संभावनाओं को बढ़ाती है, बल्कि रोगी के परिणामों और रिकवरी समय में भी सुधार करती है। इस उपलब्धि पर बोलते हुए एस्टर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी के ग्लोबल डायरेक्टर डॉ. सोमशेखर ने कहा, यह नई तकनीक ने हमें ऑपरेटिंग रूम में अभूतपूर्व सटीकता लाने में मदद की है। सर्जरी के दौरान विकिरण पहुँचाने से स्वस्थ संरचनाओं की सुरक्षा करते हुए मार्जिन पर इष्टतम नियंत्रण सुनिश्चित होता है। रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के विभागाध्यक्ष और प्रमुख सलाहकार डॉ. एमएस बेलियप्पा ने कहा, यह उपलब्धि हमारी बहुविषयक टीम की विशेषज्ञता और समर्पण को दर्शाती है। आईओईआरटी समग्र उपचार समय को कम करता है, जीवन की गुणवत्ता में सुधार करता है और कॉस्मेटिक और कार्यात्मक परिणामों को बेहतर बनाता है।

दिल्ली में विस्फोट सरकार की विफलता : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को दिल्ली में हुए विस्फोट को सरकार की विफलता करार देते हुए बुधवार को मांग की कि इस आतंकवादी कृत्य के दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि आगे ऐसी घटनाएं ना हों। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसी घटना राष्ट्रीय राजधानी में हुई, जहां खुफिया ब्यूरो सहित सुरक्षा के लिए जिम्मेदार शीर्ष एजेंसियां ङ्क्षङ्कााम करती हैं। खरगे ने आरोप लगाया कि दिल्ली में ऐसी सभी एजेंसियों की मौजूदगी के बावजूद सरकार विफल रही है और उनकी पार्टी पूरी रिपोर्ट का इंतज़ार करेगी। राज्यसभा में विपक्ष के नेता खरगे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस ने विस्फोट की निष्पक्ष जांच के साथ इसके साजिशकर्ताओं को कड़ी सजा दिलाने की सरकार से मांग की है। खरगे ने कहा, अब उन्होंने मामला राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंप दिया है। जांच रिपोर्ट आने दीजिए। संसद का सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा। उसके बाद हम देखेंगे।

प्राकृत भाषा के विद्वान एंड्रयू ओलेट, जीनोम विशेषज्ञ अंजना बद्रीनारायणन को इन्फोसिस पुरस्कार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । इंफोसिस साइंस फाउंडेशन (आईएसएफ) ने बुधवार को इंफोसिस पुरस्कार 2025 के विजेताओं की घोषणा की। यह भारतीय अनुसंधान के क्षेत्र में एक सर्वोच्च सम्मान है जिसमें एक लाख अमेरिकी डॉलर की राशि शामिल है। इन छह विजेताओं में प्राकृत भाषा के विश्व के अग्रणी विद्वान एंड्रयू ओलेट और जीनोम मरम्मत के क्षेत्र में अग्रणी कार्य के लिए जानी जाने वाली अंजना बद्रीनारायणन शामिल हैं। पुरस्कार की घोषणा इन छह श्रेणियों में की गई- अर्थशास्त्र, इंजीनियरिंग और कंप्यूटर विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, जीवन विज्ञान, गणितीय विज्ञान और भौतिक विज्ञान। प्रत्येक श्रेणी के पुरस्कार में एक स्वर्ण पदक, एक प्रशस्ति पत्र और 100,000 अमेरिकी डॉलर (या भारतीय रुपये में इसके समतुल्य) की राशि शामिल है।

आईएसएफ के अनुसार, इंफोसिस पुरस्कार 2025 के विजेताओं में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में अर्थशास्त्र के पॉल ए सैमुएलसन प्रोफेसर निखिल अग्रवाल (अर्थशास्त्र), टोरंटो विश्वविद्यालय में गणितीय और कम्प्यूटेशनल विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर सुशांत सचदेवा (इंजीनियरिंग और कंप्यूटर विज्ञान), शिकागो विश्वविद्यालय में दक्षिण एशियाई भाषाओं और सभ्यताओं के विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर एंड्रयू ओलेट, नेशनल सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज, बेंगलूरु में एसोसिएट प्रोफेसर अंजना बद्रीनारायणन (जीवन विज्ञान), टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई में गणित के स्कूल में एसोसिएट प्रोफेसर सब्यसाची मुखर्जी (गणितीय विज्ञान) और कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में केमिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर कार्तिश मंथिराम (भौतिक विज्ञान) शामिल हैं।

प्रस्तुति

जापान के ओकायामा विश्वविद्यालय और पश्चिम बंगाल के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान ओडिसी नृत्यांगना डोना गांगुली अपनी नृत्य मंडली के साथ प्रस्तुति देती हुईं।

आईटीआई लि. ने 'केरल सवारी 2.0' को लॉन्च करने के लिए राज्य सरकार से हाथ मिलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पलक्कड़/बेंगलूरु। प्रमुख दूरसंचार विनिर्माण कंपनी आईटीआई लिमिटेड ने ऑनलाइन ऑटो और कैब बुकिंग प्लेटफॉर्म के उन्नत संस्करण 'केरल सवारी 2.0' को लॉन्च करने के लिए केरल सरकार से हाथ मिलाया है। इस परियोजना का शुभारंभ 4 नवंबर को तिरुवनंतपुरम में केरल सरकार के मंत्री शिवानक्युट्टी द्वारा श्रम आयुक्त सफना नज़रुद्दीन, परियोजना के तकनीकी साझेदारों, श्रमिक यूनियन के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में किया गया। 'केरल सवारी' को तिरुवनंतपुरम और कोच्चि शहर में पहले ही पूरी तरह से ऑपरेशनल कर दिया गया है। यह दिसंबर तक मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम ऐप बन जाएगा। मेट्रो, वाटर मेट्रो, मेट्रो फीडर बसों, ऑटो और कैब को इंटीग्रेट करने वाली यह प्रणाली पूरे देश के लिए मॉडल होगी। इस परियोजना को अन्य जिलों और शहरों में भी लागू किया जाएगा। श्रम विभाग के अंतर्गत केरल मोटर वर्कर्स वेलफेयर फंड बोर्ड (केएमडब्ल्यूडब्ल्यूएफबी) केरल सरकार, पुलिस विभाग, परिवहन, आईटी, योजना बोर्ड और अन्य विभागों के सहयोग से इस परियोजना का कार्यान्वयन कर रहा है।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजेश राय

परीक्षण रहा सफल

'केरल सवारी' सब्सक्रिप्शन मोड पर काम करता है। सरकार द्वारा निर्धारित सब्सक्रिप्शन दरों की यह प्रणाली ड्राइवरों के लिए बढ़िया कमाई सुनिश्चित करती है। तिरुवनंतपुरम और कोच्चि शहर में इसका परीक्षण अप्रैल से सफलतापूर्वक किया गया है। इस परियोजना में पहले ही 23,000 ड्राइवरों को शामिल किया जा चुका है। वहीं, 3,60,000 ट्रिप की जा चुकी हैं। तिरुवनंतपुरम और कोच्चि शहर में ड्राइवरों द्वारा औसतन 1,200 दैनिक ट्रिप के साथ 9.36 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया गया है।

आगे होगा विस्तार

'केरल सवारी' का लक्ष्य मल्टी-मोबिलिटी ऐप बनना है। इसके लिए डिज़ाइन तैयार है, जिसके तहत मेट्रो, वाटर मेट्रो, पर्यटन, मंदिर टिकट, रेलवे और प्रीपेड ऑटो काउंटर में टिकट बुकिंग के साथ तालमेल स्थापित कर काम किया जाएगा। सरकार द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार एंबुलेंस और मालवाहक वाहनों को भी प्लेटफ़ॉर्म से जोड़ा जा सकेगा। इस अवसर पर मंत्री शिवानक्युट्टी ने कहा, ''केरल सवारी' सिर्फ एक ऐप नहीं है। यह श्रमिकों के कल्याण और जनता के लिए किफायती दरों पर सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने की केरल सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।'

यात्रियों को मिलेगा लाभ

आईटीआई लि. के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजेश राय ने कहा, 'आईटीआई लि. को 'केरल सवारी' प्लेटफॉर्म को लॉन्च करने के लिए केरल सरकार के साथ साझेदारी करने पर खुशी है। हमारी पलक्कड़ यूनिट विभिन्न माध्यमों से केरल सरकार की मदद कर रही है, जैसे- परिवहन विभाग के लिए ड्राइविंग लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना, केरल मोटर वर्कर्स वेलफेयर फंड बोर्ड के लिए अभिलेखों का डिजिटलीकरण करना, केरल के स्कूलों को लैपटॉप उपलब्ध कराना आदि। मुझे खुशी है कि इस ऐप से केरल के यात्रियों को लाभ मिलेगा।' राय ने कहा, 'साल 2022 में शुरू की गई पायलट परियोजना की कमियों को दूर कर लिया गया है। तिरुवनंतपुरम और कोच्चि शहर में इसका परीक्षण किया जा चुका है। आईटीआई पलक्कड़ यूनिट ऐप के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए निरंतर तकनीकी सहायता देगी।'

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**